सत्र - एक पटकथा

पाठ - बीरबहूटी *(कहानी - प्रभात)*

भूमिका

दोस्तों, दस्वीं कक्षा की पाठ्यपुस्तिका में ऐसे अनेक आशय हैं, जो आकलन की अनेक संभावनाएँ रखती हैं। इस पाठ्यपुस्तिका से गुज़रते हुए छात्रों में जो धारणाएँ बनी हैं, उन्हें मज़बूत करने केलिए कुछ गतिविधियाँ दी जा रही हैं। आप इन गतिविधियों को कक्षा में चलाने का प्रयास करें तथा इनको और बहत्तर बनाएँ। यदि आप इनमें से कुछ गतिविधियाँ कक्षा में पहले की हैं तो थोड़ा परिवर्तन करके प्रस्तुत करें।

कक्षा	-	दसवीं
इकाई	-	एक
पाठ का नाम	-	बीरबहूटी
अधिगम उपलब्धियाँ	-	कहानी के आधार पर पटकथा तैयार करता है।
सामग्री	-	प्रोक्तियों के नाम लिखे हुए कार्ड (cards)। जैसे-पटकथा, डायरी, पत्र,जीवनी, पोस्टर, टिप्पणी, लेख, निबंध, उद्घोषणा, रपट, समाचार....।

गतिविधियाँ

आप तैयार किए कार्ड कक्षा के सभी बच्चों को हस्तांतरण करके पढ़ने का अवसर दें। पढ़ने के बाद सुनकर लिखने का अवसर भी दें। इससे निम्न स्तर के बच्चे भी प्रोक्ति पढ़कर समझने की क्षमता पाएँगे।

छात्रों से पूछें -

- बीरबहूटी किसकी रचना है ?
- इस कहानी के मुख्य पात्र कौन - कौन हैं?

(बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें।)

आप पूछें-

- यदि आप इस कहानी को सिनेमा का रूप देना चाहते हैं तो किन-किन की ज़रूरतें हैं?

चर्चा -

संभावित उत्तर : कैमरा, संगीत, पटकथा....

- इनमें सबसे पहले किसकी ज़रूरत है?

  पटकथा

- पटकथा लेखन केलिए पहले हम क्या करें ?

  कहानी से मुख्य प्रसंगों को चुनें।

आप पूछें...

- इस कहानी की घटनाएँ कहाँ - कहाँ घटती हैं?

श्यामपट पर लिखें - खेत, गली. दुकान, कक्षा, गांधी चौक, अस्पताल, कस्बा

स्थानों के नाम के आधार पर दल बनाएँ। प्रत्येक दल को निम्नलिखित नियत अंश पढ़ने को सौंपें और घटनाएँ छाँटकर लिखने का निर्देश दें।

दल - 1 - खेत *(बादल बहुत.....भरवानी है दुकान से।)*

दल - 2 - गली *(उन्नीस सौ इक्यासी का... पैन में स्याही भरते थे।)*

दल - 3 - दुकान *(पैन में कुछ स्याही.....बहुत बड़ी बात हो ।)*

दल - 4 - कक्षा *(क्लास में दोनों.....नज़र नहीं मिला पाई।)*

दल - 5 - गाँधी चौक *(दीपावली की छुट्टियों.....मुस्कुरा रही हो।)*

दल - 6 - अस्पताल *(रविवार का दिन था...दिखाई देते थे।)*

दल - 7 - कस्बा *(पाँचवीं कक्षा का....चोट का निशान था ।)*

सभी दल घटनाएँ लिखकर प्रस्तुत करें।

बच्चों की प्रस्तुति के समय आप आवश्यक संशोधन करके श्यामपट पर लिखें (हो सकता है तो चार्ट या प्रोजेक्टर की मदद लें) छात्रों को लिख लेने का अवसर दें।

आप बताएँ-

- पटकथा केलिए हमने घटनाएँ तय की हैं। पटकथा में और क्या-क्या होना चाहिए?

चर्चा-

(1. विवरण 2. पात्रों के बीच का संवाद)

- विवरण में किन -किन बातों को जोड़ना चाहिए?

* **दृश्य**

- स्थान और समय
- परिवेश

* **आभास**

* **पात्र**

- संवाद
- वेशभूषा
- चाल-चलन
- हाव-भाव
- आयु....

प्रत्येक दल लिखित घटना के आधार पर पटकथा तैयार करें।

चुनिंदे दलों की प्रस्तुति।

चर्चा चलाएँ-

- पटकथा की विशेषताएँ क्या - क्या हैं?
- दृश्य का वर्णन किया है?

- समय का ज़िक्र है?
- पात्र का उल्लेख है?
- पात्रानुकूल संवाद है?
- चाल-चलन का उल्लेख है?

इन सूचकों के आधार पर अपनी रचना का आकलन करने का निर्देश दें।

आप एक नमूना प्रस्तुत करें।

पटकथा

दृश्य - 1

दृश्य / विवरण	संवाद
शोट-एक एक गाँव। सबेरे नौ बजे। बरसाती दिन। पानी बहने की आवाज़। आकाश काले बादलों से भरा है। पेड़ों के तने और मूँगफलियों के खेतों में पीले फूल खिले हैं। बाजरे के पत्तों में पानी की बूँदें अटक रही हैं।	
शोट - दो पुस्तक की थैली पीठ पर लादे एक लड़का और लड़की स्कूल जाते हैं। आयु-लगभग ग्यारह साल, वेष-वर्दी। लड़की ने अपना बाल लाल रिब्बन से बाँधा है। नंगे पाँव हैं। दोनों बातें करते तेज़ चलते हैं।	साहिल : बैला, जल्दी चलो। अब नौ बजे है। साढ़े नौ बजे को घंटी बजेगी। इसके पहले हमें बीरबहूटियों को देखना है। याद रखो, आज पहला पिरीयड़ सुरेंदर मास्टर का है। बेला : हाँ.. हाँ..साहिल, मुझे मालूम है।
शोट-तीन बच्चे कस्बे से सटे खेतों में बिलकुल सटकर बीरबहूटियों को खोजते हैं। वे बीरबहूटियों को देखते हैं। सुर्ख, मुलायम बीरबहूटियाँ। बच्चों के चेहरे पर खुशी और आश्चर्य का भाव।	साहिल : बेला, बीरबहूटियाँ ज़रूर इधर होंगी। बेला : हाँ... हाँ देखें। साहिल : बेला देखो..... इधर हैं। बेला : कहाँ ? हाँ... हाँ.... देखा। वाह ! साहिल : बेला, देखो इसका रंग तुम्हारे रिब्बन जैसा लाल है। बेला : बिलकुल।
घंटी बजने की आवाज़।	साहिल : तुमने कुछ सुना बेला? बेला : हाँ, सुना, पहली घंटी लग गई है। साहिल : लेकिन मुझे पैन में स्याही भरवानी है, दुकान से।
बच्चे दुकान की ओर जाते हैं।	बेला : तो चलो।

बीरबहूटी - कुछ प्रश्न

इनका भी लाभ उठाएँ....

(बादल बहुत... पैन में स्याही भरते थे।) *(Page 8 - 9)*

1. यहाँ के पात्र कौन-कौन हैं?

साहिल और बेला।

2. यहाँ किस मौसम का चित्रण हुआ है?

बरसात के मौसम का चित्रण।

3. बरसात के मौसम का पता यहाँ कैसे मिलता है?

जंगलों और खेतों के ऊपर छाये हुए मेघ।

गीली हवाएँ।

बाजरे के पातों में अटकी हुई पानी की बूँदें।

4. बेला और साहिल स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकलते थे। क्यों?

बीरबहूटियों से मिलने केलिए।

5. बीरबहूटियों की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

सुर्ख, मुलायम, गद्दी, चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें जैसी।

6. बेला और साहिल बीरबहूटियों को कैसे खोजते थे?

एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बिलकुल सटकर, बारिश की गंध भरी ज़मीन पर बैठकर वे बीरबहूटियों को खोजते थे।

7. पैन में स्याही भरवाने केलिए कितने पैसे देते थे?

पाँच पैसे।

पैन में नीली स्याही भरवाने केलिए दुकान की ओर चलते हैं।

(पैन में स्याही.....मिला पाई।) *(Page 9 - 10)*

1. बेला और साहिल क्यों दुकान पहुँचे?

पैन में स्याही भरवाने केलिए

2. दुकान पहुँचकर साहिल ने क्या किया?

पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिड़क दी।

3. "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।" दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा?

साहिल ने स्याही भरवाने से पहले,पैन में बची हुई कुछ स्याही को ज़मीन पर छिड़क दिया।

लेकिन दुकान में स्याही खतम हो गयी थी। तो दुकानदार ने ऐसा कहा। आकाश में दिखाई देनेवाले सभी बादल बरसते नहीं। पानी बरसने के पहले घड़े का पानी नहीं ढुलाना चाहिए। अंदाज़ा लेकर काम करना ठीक नहीं है।

4. साहिल और बेला की दोस्ती पर टिप्पणी लिखें।

सूचना:

- पाँचवीं कक्षा में पढ़ना
- क्लास में पास-पास बैठना
- हर काम एकसाथ करना

5. बच्चे उनसे काँपते थे। किनसे?

गणित के माटसाब सुरेंदर जी से।

6. सुरेंदर माटसाब कक्षा में कैसे व्यवहार करते थे?

वे पिरीयड़ में काँपी जाँचते थे। ज़रा सी गलती पर बच्चों को इधर उधर फेंक देते थे या झापड़ मारते थे। बच्चे उनकी सज़ा से डरते थे।

7. माटसाब के व्यवहार से क्या आप सहमत हैं? क्यों?

सहमत नहीं। छोटी सी गलती पर बच्चों को इस प्रकार की सज़ा देना ठीक नहीं। यह बच्चों के अधिकार के खिलाफ़ है।

8. बेला का मन खराब क्यों हो गया?

एक दिन सुरेंदर माटसाब ने गलती से बेला के बालों में पंजा फँसाया। बेला की कोई गलती नहीं थी। वह डर से काँप रही थी। साहिल के सामने सब हो रहा था। इसलिए बेला खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी।

9. बेला साहिल से नज़र नहीं मिला पाई। क्यों?

बेला खुद को साहिल के सामने अच्छी दिखाना चाहती थी। लेकिन साहिल के सामने माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया। वह स्वयं को शर्मिंदा महमूस करने लगी थी। इसलिए साहिल से नज़र नहीं मिला पाई।

10. प्रस्तुत अंश की घटनाओं को क्रमवद्ध करें-

- साहिल पैन में बची हुई स्याही को ज़मीन पर छिड़क देता है।
- दुकान में स्याही की बोतल खाली हो जाती है।
- सुरेंदरजी गलती से बेला के बालों में पंजा फैसाते हैं।
- साहिल के सामने अपने को अपमानित समझती है।

11. कहानी के इस अंश के आधार पर पटकथा तैयार करें।

12. बेला के उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

दीपावली की छुट्टियों..... चोट का निशान था। *(Page 10 - 11)*

1. बेला के सिर पर सफेद पट्टी क्यों बाँधी थी?

बेला छत से गिर कर घायल हो गई थी।

2. साहिल को सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने क्यों ले जाया गया?

3. सरकारी अस्पताल में बेला और साहिल के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें?

सूचनाः

- साहिल का डाली पर झूमना
- टूटे स्टूल की कील पिंड़ली में लगना
- अस्पताल ले आना

4. आज आखिरी बार वे एक दूसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे। ऐसा क्यों कहा गया है?

पाँचवीं का रिज़ल्ट आ गया। दोनों अलग-अलग जगहों मे पढ़ने जा रहे हैं। बेला राजकीय कन्या पाठशाला में और साहिल अजमेर के हॉस्टल में। बाद में उन्हें एकसाथ पढ़ने का अवसर नहीं मिलेगा।

5. 'बारिश से पहले की बारिश' -यहाँ क्या है?

बेला और साहिल के दुःख भरे आँसू बरसात के समान बरस रहे हैं।

6. अपनी दोस्ती की याद पर टिप्पणी लिखें।

- आत्मनिष्ठ भाषा
- विषय की समग्रता
- मार्मिक प्रस्तुतीकरण

7. उचित परसर्ग का प्रयोग कर के रिक्त स्थान भरिए-

साहिल ..... पिंड़ली में लग गई। (का, के, की)

बेला .....मन खराब हो गया । (का, के, की)

एक ..... सिर पर पट्टी बंधी थी। (के, का, की)

यह बारिशों से पहले .... बारिश का एक दिन था। (का, की, के)

दीपावली ..... छुट्टियों के बाद वे आये। (की, के, का)

8. साहिल की डायरी तैयार करें।

9. हॉस्टल जाकर साहिल अपनी पुरानी बातों की याद करते हुए बेला के नाम पत्र लिखता है। पत्र तैयार करें।

10. संबध पहचानें और सही मिलान करें।

(क)

पैन में कुछ स्याही बची थी	वह तलवार पुरानी थी।
जब वह उसके पास बैठा	उसे साहिल ने ज़मीन पर छिड़क दिया।
चमक उठी सन् सत्तावन में	उससे नज़र नहीं मिला पाई।

(ख)

मैं चिढ़ाऊँ अब तुम्हें	तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे।
मेरे पापा कह रहे थे	वहाँ एक हॉस्टल है।
मुझे अजमेर भेज देंगे	रोनी सूरत साहिल, रोनी सूरत साहिल।

सत्र - दो कविता पर टिप्पणी

पाठ - हताशा से एक आदमी बैठ गया था।

(टिप्पणी - नरेश सक्सेना)

कविता की आस्वादन टिप्पणी तैयार करने केलिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान रखना चाहिए:

1. कविपरिचय
2. कविता के आशय की व्याख्या
3. भाषा और शैली
4. अपना मत

विनोदकुमार शुक्ल अपनी..... दिखाई देते हैं (Page15)

1. कवि का नाम क्या है?

उत्तरः विनोदकुमार शुक्ल

2. उनकी कविता की क्या-क्या विषेशताएँ हैं?

उत्तरः मौलिकता और भाषा की अनगढ़ता

यदि हम किसी व्यक्ति को.....याद दिलाती है। (Page15-16)

1. कविता के अनुसार मनुष्य को किस तरह जानना चाहिए?

उ. यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की याद दिलाती है।

2. हमें किन किन व्यक्तियों की मदद करनी चाहिए?

उ. हमें हताश, असहाय और संकट में पड़े व्यक्तियों की मदद करनी चाहिए।

यह कविता 'जानना'.....जानकारियाँ ज़रूरी नहीं। (Page17)

1. इस कविता में कौन सा शब्द पर बल दिया है?

उ. जानना

2. कविता का संदेश क्या है?

उ. दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होनी चाहिए। अर्थात्, किसी को जानते समय पहले उसके मनोभावों को जानना है।

3. सही मिलान करें:

व्यक्ति को मैं नहीं जानता	हाथ बढ़ाने को जानता था
वह व्यक्ति मुसीबत में है	हताशा को जानता था।
वह मुझे नहीं जानता था	इसे हमारी मदद की ज़रूरत है।

पाठ - टूटा पहिया *(कविता, कविः धर्मवीर भारती)*

मुख्य बिंदुः

* टूटा पहिया उपेक्षित मानव (लघु मानव) का प्रतीक है।
* कुरुक्षेत्र की लड़ाई में आखिर असहाय अभिमन्यु को टूटे पहिए की सहारा लेनी पड़ी थी। इस प्रकार अन्याय के विरुद्ध लड़ते समय लघु मानव ही सत्य के पक्ष में सहारा दे सकता है।

अपने पक्ष

.....

.....

ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ।

1. टूटा पहिया किसका प्रतीक है?

2. 'अकेली निहत्थी' आवाज़ किसका विशेषण है?

उ. अभिमन्यु का (अन्याय के विरुद्ध लड़नेवाले का)

मैं रथ का टूटा हुआ.....

.....

.....

पहियों का आश्रय ले!

1. इन पंक्तियों से कवि क्या कहना चाहते हैं?

उ. कुरुक्षेत्र युद्ध में निरायुध अभिमन्यु को अंत में टूटे पहिए का सहारा लेना पड़ा। इस प्रकार आज भी अधर्म के विरुद्ध लड़ते समय तुच्छ मानव ही सहारा बन जाए।

2. सही मिलान करें।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया	दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए।
इतिहासों की गति झूठी पड़ने पर	ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ।
अक्षौहिणी सेनाओं को चूनौती देता हुआ	सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले।

टूटा पहिया (धर्मवीर भारती) (कविता पर टिप्पणी)

'टूटा पहिया' नामक कविता हिंदी के मशहूर साहित्यकार श्री धर्मवीर भारती की रचना है।

टूटा पहिया लघु मानव का प्रतीक है। यह इतिहास का चक्र है। यह कविता आत्मकथात्मक शैली में है। समाज से टूटे पहिए की प्रार्थना है कि मुझे निसार या बेकार समझकर मत छोड़ो।

"मैं रथ का टूटा हूआ पहिया हूँ।
लेकिन मुझे फेंको मत" - ये इस कविता की मुख्य पंक्तियाँ हैं। अभिमन्यु वीर, शूर, पराक्रमि व्यक्ति है और बड़े मानव का प्रतीक है। लेकिन बोधबालक नहीं, दुस्साहसी है। सब के कहने पर अनसुना कर दिया। उसने चक्रव्यूह में अकेले ही प्रवेश किया। सब शस्त्रास्त्र नष्ट होने पर टूटे पहिए से शत्रुओं का सामना किया।

महाभारत के इस प्रसंग की याद दिलाते हुए कवि कहते हैं कि इस प्रकार की अधार्मिक घटना आज भी संभव है। इतिहास की गति सामूहिक है। अतः संदर्भ आने पर सत्य का पक्ष टूटे हुए पहिए का भी सहारा लेने केलिए विवश हो सकता है। इसलिए उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। धर्मवीर की इस कविता में टूटा पहिया उपेक्षित सामान्य मानव का प्रतीक है।

सत्र - तीन डायरी

पाठ - ऊँट बनाम रेलगाड़ी

(संस्मरण-सत्यजीत राय)

दोस्तों, हम जानते हैं कि 'ऊँट बनाम रेलगाड़ी' मशहूर भारतीय सिनेमाकार सत्यजीत राय के संस्मरण का अंश है। यह संस्मरण पढ़कर छात्रों के मन में अनेक धारणाएँ बन गयी होंगी। आशय संबंधी अधिक जानकारी प्राप्त करना, डायरी तैयार करना आदि इस सत्र का लक्ष्य है।

अधिगम उपलब्धिः

- संस्मरण पढ़कर आशय समझता है।
- डायरी तैयार करता है।

डायरीः

डायरी एक आत्मनिष्ठ अभिव्यक्ति है। व्यक्तिगत एवं साहित्यिक क्षेत्र में भी इसकी बड़ी भूमिका है। भाषाई विकास के उद्देश्य से हम डायरी लेखन की प्रक्रिया कक्षा में चलाते हैं। हमारी उम्मीद है कि आप इस सत्र की गतिविधियों के ज़रिए डायरी लेखन की खूबियों का परिचय कराएँगे तथा दूसरी इकाई के संस्मरण से होकर और एक बार छात्रों को ले जाएँगे।

गतिविधिः

पूछें :

1. **'ऊँट बनाम रेलगाड़ी' किसकी रचना है?**

   उः सत्यजीत राय की रचना है।

2. **यह संस्मरण किस विषय पर आधारित है?**

   उः शुटिंग/सिनेमा निर्माण।

3. **इसके मुख्य पात्र कौन-कौन है?**

   उः फेलू, तोपसे, जटायु (लालमोहन गांगुली)

इसमें शूटिंग से संबंधित एक मज़ेदार घटना है, ज़रा पढें।

आप छात्रों के 4 दल बनाएँ।

दल 1 *सोनार केल्ला.....रवाना होना पड़ता है।*

दल 2 *ऊँट का अध्याय.....जहाँ शूटिंग होनी थी।*

दल 3 *हमने शूटिंग का..... दौड़ाया जाएगा।*

दल 4 *ड्राईवर को हमने.....और ही अध्याय है।*

छात्रों को उपर्युक्त खंड के आधार पर दलों में मुख्य घटनाएँ सूचीबद्ध करने का निर्देश दें।

चर्चा करके लिखने का मौका दें।

प्रस्तुति कराएँ।

मुख्य बिंदु :-

- रहस्य रोमांचवाले उपन्यास लेखक लालमोहन गांगुली (जटायु) का सपना रेगिस्तान में ऊँट की सवारी करने का है।
- जैसलमेर जाने के रास्ते में फेलु की गाड़ी का टायर पंक्चर होने पर, वे ऊँट से रामदेवरा स्टेशन तक जाने का निश्चय करते हैं।
- ऊँट को देखकर जटायु डर जाता है, लेकिन बड़ी मुश्किल से उसपर चढ़ता है।
- बीच के रास्ते में रेलगाड़ी को आते देखकर, फेलू जेब से रूमाल निकालकर उसे रोकने का प्रयास करता है, लेकिन रेलगाड़ी ज़ोर से सीटी बजाते हुए सामने से निकल जाती है।
- उन्हें रामदेवरा केलिए ऊँटों से ही रवाना होना पड़ता है।
- जोधपुर के रास्ते में, जैसलमेर से करीब सत्तर मील दूर की एक जगह शूटिंग केलिए तय की जाती है।
- खाची गाँव से, ऊँटों को सजा-धजाकर शूटिंग के लिए लाने का निर्देश देता है।
- रेलगाड़ी का इंतज़ाम किया जाता है, इसकेलिए रेलवे अधिकारियों से बातचीत किया जाता है।
- कोयले का दाम बढ़ जाने के कारण, दिन में जानेवाली रद्द की गई गाड़ी को, कोयले का खर्च देकर शूटिंग केलिए लाने की अनुमति मिल जाती है।
- ड्राइवर को गाड़ी रुके बिना चलाये जाने के निर्देश देने में भूल होती है, इसलिए दुबारा शोट लेना पड़ता है।
- शूटिंग देखने की उत्सुकता में स्टोकर बाबु बाँयलर में कोयला डालना भूल जाता है, तो धुआँ नहीं निकलता है। तो फिर शोट लेना पड़ता है।
- स्टोकर की मर्जी पर भरोसा न करके अपने एक आदमी को इंजिन में बिठा देते हैं।
- तीन बार शोट लेने का लाभ यह हुआ कि सवारों को दम निकल जाने का अभिनय नहीं करना पड़ता है।
- तीसरी बार दृश्य सही तरह से फिल्माया जाता है।
- अगला शोट, रामदेवरा स्टेशन का दृश्य फिल्माने की तैयारी ।

उपर्युक्त प्रसंगों के आधार पर छात्र संस्मरण के आशयों से और एक बार गुज़रें।

संस्मरण का यह अंश सभी दलों को दें।

> *रेलगाड़ी ने चलना शुरु किया। जब वह पहुँचने ही वाली थी, ऊँटों के दल को इशारा कर दिया गया। जीप को धकेलने केलिए सब लोग कतार में खाड़े थे। अचानक सबके पसीने छूट गए।*

छात्र अंश पढें। आशय समझें।

आप पूछें :-

'अचानक सबके पसीने छूट गये'। लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

मरुप्रदेश के विशाल आसमान में रेलगाड़ी का काला धुआँ फैलने का दृश्य शूट करना था। लेकिन धुआँ नहीं था। स्टोकर बाबु शूटिंग देखने की उत्सुकता में बाँयलर में कोयला डालना भूल गया। इसलिए शूटिंग की सारी तैयारियाँ व्यर्थ हो गयीं।

शूटिंग के अनुभवों के बारे में सत्यजीत राय के उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

छात्रों को लिखने केलिए पर्याप्त समय दें।

(कुछ छात्रों ने पूर्ण रूप से लिखा होगा, कुछ छात्रों ने आंशिक या लिखने का प्रयास ही किया होगा। फिर भी प्रस्तुति का अवसर दें।)

आप यह चर्चा चलाएँ-

- एक डायरी की शुरुआत कैसे होनी है?

- समय व काल की सूचना दी गई है?

- पहले तारीख लिखा है?

- इसप्रकार भी शुरू कर सकते हैं :

'आज का दिन मैं कैसे भूलूँ?

आज मेरा सपना साकार हुआ/ नहीं हुआ।

किसी तरह आज का दिन बीता।'

- भाषा कैसी होनी है?

स्वाभाविक, विरामादि चिह्न, शब्द, वाक्यांश व वाक्यों का प्रयोग

- घटनाओं का वर्णन कैसे करना है?

भावात्मक रूप से

आत्मनिष्ठ शैली में

- अपने दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति

दलों की उपजों का हस्तांतरण करवाएँ।

उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर परिमार्जन करवाएँ।

आकलन करें।

आकलन बिंदु :

- समय व काल की सूचना
- स्वाभाविक भाषा का प्रयोग
- भावात्मक प्रस्तुति
- अनौपचारिक भाषा का प्रयोग
- आत्मानिष्ठ शैली

अपनी प्रस्तुति पेश करें

मंगलवार
2017 मार्च 14

आज का दिन गड़बड़ियों से ही गुज़रा था। कितने प्रयास करके हमने रेलगाड़ी का इंतज़ाम किया था। लेकिन भूल हमसे ही हो गयी। ड्राइवर को अच्छी तरह समझाने में गलती हुई थी। इसलिए रेलगाड़ी रुक दी गयी थी। बेचारा, कर भी क्या सकता था? और एक बार रेलगाड़ी को, उँटो को, फेलू, तोपसे, लालमोहन को, जीप, कैमरा सबको एक चैथाई मील पीछे जाना पड़ा था। लेकिन अगली बार....मैं क्या करूँ.....

सावधान होना था मुझे....

लेकिन हो गयी गलती।

मरुस्थल के विशाल आसमान में रेलगाड़ी का काला धुआँ फैलने का दृश्य....

यह क्या नहीं जमेगा....?

स्टोकर बाबू शूटिंग देखने के उत्सुक थे...बेचारे...बाँयलर में कोयला डालना ही भूल गये थे। जो भी हो, अगली बार ऐसी गलती न हो, अपने एक आदमी को इंजिन में बिठा ही दिया। इस बार भाग्य हमारे साथ था...सबकुछ ठीक हो गया...

ऊँट बनाम रेलगाड़ी - कुछ प्रश्न
इनका भी लाभ उठाएँ....

निम्नलिखित खंड पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें :

सोनार केल्ला.....ऊँटों से ही रवाना होना पड़ता है। (TB page 28,29,30)

1. लालमोहन गांगुली या जटायु का सपना क्या था?

उः रेगिस्तान में ऊँट पर सवारी करने का)

2. यहाँ के पात्र कौन-कौन हैं?

(फेलू, तोपसे, लालमोहन गांगुली)

3. 'जटायु तो नाम भर केलिए जटायु है' - ऐसा क्यों कहा गया?

उः जटायु रामायण का साहसी पात्र है। लेकिन यहाँ डरपोक है।

4. रूह काँप जाना' - का मतलब क्या है?

(भयभीत होना, आकृष्ट होना, काँप जाना)

5. फेलू ने स्टेशन तक कैसे जाने को तय किया?

(रेलगाड़ी से, ऊँट से, जीप से)

6. फेलू और ऊँटवालों के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें।

- जैसलमेर के रास्ते में गाड़ी का टायर पंक्चर होना
- रामदेवरा स्टेशन जाकर इंतज़ार करना
- ऊँट पर सवार होना

7. ऊँट गाड़ी की यात्रा लालमोहन केलिए अविस्मरणीय थी। उस दिन की लालमोहन की डायरी कल्पना करके लिखें।

- जटायु नाम पर केलिए
- ऊँट की विशेषताएँ
- मुश्किल से चढ़ना
- खतरे की घड़ी गिनना

8. खतरे की घड़ी गिनना -'का मतलब क्या है?

उ: अत्यधिक भयभीत होना।

9. नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ती करें :

फेलू, तोपसे, लालमोहन को वहीं रुके रहना पड़ता है।

मज़बूरन उन्हें रामदेवरा केलिए ऊँटों से ही रवाना होना.....

(पड़ता है/ पड़ते हैं/पड़ती हूँ)

10. संबंध पहचानें और सही मीलान करें-

ऊँट को देखते ही रूह काँप गई	कि वे ऊँट से स्टेशन तक जाएँगे।
फेलू ऊँटवालों को आदेश देता है	बापरे, क्या जानवर है?
फेलू ने तय किया	चलो रामदेवरा।

'उसी दिन.....मर्जी कर सकते थे'।

1. यहाँ के पात्र कौन-कौन हैं?

"अभिशाप हमारे लिए वरदान हो गया।" यहाँ ऐसा क्यों कहा गया है?

- कोयले के दाम बढ़ने के कारण गाड़ी रद्द करना।
- लेखक की रेलवे अधिकारियों से मुलाकात।
- कोयले का खर्च देकर, पूरी रेलगाड़ी शूटिंग को दे देना।

2. लेखक और रेलवे अधिकारी के बीच की संभावित बातचीत लिखें।

- शूटिंग का मामला समझाना।
- रेलगाड़ी शूटिंग के लिए दे देना।
- कोयले का खर्च भरना।

3. नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ती करें :

रेलगाड़ी हमारी तरफ **आएगी।**

हम रेलगाड़ी की तरफ..... । (जाएगी, जाऊँगा, जाएँगे)

ड्राइवर ब्रेक..... । (लगाएगा, लगाएँगे, लगाओगे)।

4. संबध पहचानें और सही मिलान करें-

ऊटवालों को हमने कह रखा था	तो मामला रेलगाड़ी पर अटक गया।
ऊँट देखकर हमें हँसी सी आती है	वे ऊँटों को सजा धजाकर लाएँ।
ऊँटों का इंतज़ाम हुआ	रेगिस्तान का एकमात्र सहारा।
ऊँट तो उनके दोस्त हैं	लेकिन उनको नहीं।

ड्राईवर.....अध्याय है।

1. 'दम निकल जाना'- तात्पर्य क्या है?

(थक जाना, मर जाना, वापस जाना)

2. जटायु की हालत ऐसी थी। (हालत के स्थान पर 'हाल' का प्रयोग करके वाक्य बदलकर लिखें)।

3. सत्यजीत राय की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

- रेलगाड़ी का आना और ड्राइवर का ब्रेक लगाना।
- स्टोकर का , कोयला डालने की भूल।
- तीन बार शोट, जटायु की हालत।

4. मान लें, अपने शूटिंग के अनुभव याद करते हुए सत्यजीत राय अपने दोस्त के नाम एक पत्र लिखते हैं। पत्र कल्पना करके लिखें।

- सवारों की ऊँट यात्रा।
- रेलगाड़ी का इंदज़ाम।
- तीन बार शोट।

5. हर एक की ज़िंदगी में अक्सर भूलें होती हैं। ऐसा एक अनुभव लिखें।

- आशय
- उचित भाषाशैली
- अनुभवों का आत्मनिष्ठ आविष्कार

आपके लिए

'पड़' सहायक क्रिया का प्रयोग

पड़ सहायक क्रिया के प्रयोग से किसी कार्य को करने की विवशता का बोध होता है। याने, करना पसंद नहीं तो भी करने में मज़बूर होता है, ऐसा भाव होता है।

कर्ता + को, क्रिया प्रायः कर्म के अनुसार बदल जाती है।

उदाः

मुझे बड़े सबेरे उठना पड़ता है। (अकर्मक)
रमेश को ठंड़े पानी में नहाना पड़ता है। (अकर्मक)
गीता को काढ़ा पीना पड़ा (कर्म पुल्लिंग एकवचन)
हमें चीनी के बिना चाय पीनी पड़ती है। (कर्म स्त्रीलिंग एकवचन)

अकर्मक वाक्यों में क्रियाएँ पुल्लिंग एकवचन में होती है।

उदाः

लडके को स्कूल तक पैदल जाना पडता है।
लड़की को स्कूल तक पैदल जाना पड़ता है।
लड़कों को स्कूल तक पैदल जाना पड़ता है।
लड़कियों को स्कूल तक पैदल जाना पड़ता है।

सत्र - चार रपट

पाठ - सब से बड़ा शो मैन *(जीवनी-गीत चतुर्वेदी)*

अधिगम उपलब्धि

जीवनी का अंश पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।

रपट तैयार करता है।

अध्यापक बंधुओ,

चार्ली चैप्लिन की जीवनी के अंश के आधार पर एक रपट तैयार करवाने से निम्नलिखित सोपानों से गुज़रें।नमूने केलिए एक रपट दी गई है।

'वर्दा' तूफ़ान का खतरा, तमिलनाडु में सर्वनाश

चेन्नै: बंगाल की खाड़ी से उठे 'वर्दा' चक्रवात ने तमिलनाडु के चेन्नै का सर्वनाश कर दिया। तूफान की आशंका की वजह से तमिलनाडु के मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की हिसाब से हवाएँ चलीं और यहाँ के कई इलाकों में भारी बारिश भी हुई। इस माहौल में सरकार ने देशवासियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

आप कहें,

देखें, रपट तैयार करते वक्त किन-किन बातों पर ध्यान रखना है।

- घटनाओं के बारे में पूरी जानकारी। (अर्थात्, घटना से संबंधित क्या , कब, कौन, कहाँ, कैसे, क्यों आदि प्रश्नों के उत्तर देने में रपट सक्षम हो।)
- सरल, रोचक, प्रभावी भाषा।
- जिज्ञासा पैदा करनेवाला शीर्षक।
- लेखक का अपना दृष्टिकोण।

इन्हें बच्चों को समझाने योग्य प्रश्न पूछें।

1. किसके बारे में बताया गया है?

उ: चार्ली चैप्लिन

2. उनके साथ इस घटना में और कौन-कौन हैं?

उ: उनकी माँ, थिएटर का मैनेजर और सैकड़ों दर्शक

3. यह घटना कहाँ हुई?

उ: पब्लिक थिएटर में

4. यह घटना कब हुई?

उः कल शाम (अप्रैल 15, 1894)

5. कैसे यह घटना हुई?

चार्ली चैप्लिन की माँ थिएटर में गा रही थी। अचानक उनकी आवाज़ फट गई। सैकड़ों दर्शक चिल्लाने लगे। माँ को स्टेज से हटना पड़ा। थिएटर के मैनेजर ने पाँच साल के चैप्लिन को स्टेज पर भेजने की, ज़िद की। आखिर माँ को मज़बूरी से चैप्लिन को स्टेज पर भेजना पड़ा। चौप्लिन ने स्टेज पर, अद्‌भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया, गायकों की नकल उतारी। दर्शकों ने स्टेज पर जमकर पैसे बरसाए। दर्शक मूँह फाड़कर रह गए कि एक पाँच साल के बालक ने ऐसी विस्मयकारी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

अध्यापक : इन जानकारियों के आधार पर रपट तैयार करें, उचित शीर्षक भी दें।

बच्चों को पाँच दलों में बाँटें। बच्चे दल में रपट तैयार करके कक्षा में प्रस्तुत करें। अध्यापक सुधार करें। फिर टीचर वर्शन दें।

सबसे बड़ा शो मैन

माँ ओर मैनेजर में बहस.....झेल पाएगा।

1. यहाँ के पात्र कौन-कौन हैं?

उः चार्ली, माँ, मैनेजर

2. माँ और मैनेजर में बहस क्यों हुआ?

- माँ का, आवाज़ फटने के कारण स्टेज से हटना।
- मैनेजर का चार्ली को स्टेज पर लाने की ज़िद करना।
- बच्चे की हालत सोचकर का माँ का डर जाना।

3. माँ और मैनेजर के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें।

सूचना :

- माँ का स्टेज से हटना।
- चार्ली को स्टेज पर लाने की ज़िद।
- माँ का डर।

4. नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ती करें।

लोग **चिल्लाने लगे।**

मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद ...। (कर)

उः मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा।

माँ डर से.....(काँप)।

उः माँ डर से काँपने लगी ।

गाना अभी.....वह नहीं लौटा।

1. 'मैनेजर ने पैसों की पोटली माँ के हवाले कर दी'- उस दिन की माँ की डायरी कल्पना करके लिखें।

सूचना :

- चार्ली को स्टेज पर अकेला छोड़ना।
- जैक जोन्स गाना शुरु करना।
- पैसों की बौछार होना।

2. 'पैसों की बौछार होना'- मतलब क्या है ?

उः ज़्यादा पैसा मिलना

3. 'तब्दीला करना' - का मतलब क्या है ?

(परिवर्तित करना, प्रबंध करना, तय करना)

चार्ली ने.....जन्म लिया था।

1. 'उसने जन्म ले लिया था' - इसका मतलब क्या है?

2. 'तारिफ़ करना' - तात्पर्य क्या है?

(प्रशंसा करना, प्रयोग करना, प्रबंध करना)

3. 'गुद्‌गुदी फैलाना'- का मतलब क्या है?

(पुलकित करना, पराक्रम करना, गीत गाना)

4. 'दुनिया के सबसे बड़ा शो मैन का यह पहला शो था' - इस घटना पर एक रपट तैयार करें।

सूचना :

- वस्तुनिष्ठ हो
- अपना दृष्टिकोण
- अकर्षक शीर्षक

5. निम्नलिखित में से दो सही प्रस्ताव चुनकर लिखें।

चार्ली स्टेज पर आया, इसलिए माँ को हटना पड़ा।

माँ की आवाज़ खराब होने के कारण चार्ली को स्टेज पर आना पड़ा।

माँ चार्ली को अभिनय करने केलिए थिएटर ले जाती थी।

चार्ली की शिकायत के कारण मैनेजर को पैसे माँ के हवाले करना पड़ा।

6. सही मिलान करें :

माँ डर गई।	माँ आखिरी बार।
चार्ली स्टेज पर अकेला था	पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा।
चार्ली स्टेज पर पहली बार आया।	उसने जैक जोन्स गाना शुरु किया।

सबसे बड़ा शो मैन-मुख्य बिंदु

- ☞ शो चल रहा है।
- ☞ चार्ली की माँ की आवाज़ खराब हो जाती है।
- ☞ लोग चिल्लाते हैं और माँ स्टेज से हटने को मज़बूर हो जाती है।
- ☞ चार्ली परदे के पीछे खड़ा होकर सब देखता रहता है ।

- ☞ माँ और मैनेजर में बहस होता है।
- ☞ मैनेजर चार्ली को स्टेज पर अभिनय केलिए भेजने की ज़िद करता है।
- ☞ लेकिन पाँच साल के बच्चे की हालत सोचकर माँ डर जाती है।
- ☞ अंत में बचाव के कुछ शब्द कह, माँ चार्ली को स्टेज पर अकेला छोड़ आती है।
- ☞ चार्ली मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरु करता है।
- ☞ आर्कस्ट्रावाले उसकी गाने की धुन के अनुसार सजने लगते हैं।
- ☞ स्टेज पर पैसों की बौछार शुरु होती है।
- ☞ चार्ली गाना रोककर पैसा बटोरने की घोषणा करता है, तो हॉल हँसीघर में तब्दील होता है।
- ☞ मैनेचर पैसे बटोरने लगता है तो चार्ली शिकायत करता है, मैनेजर के पीछे पड़ जाता है।
- ☞ अंत में मैनेजर पैसों की पोटली माँ के हवाले कर देता है।
- ☞ चार्ली जनता का मन भर लेता है।
- ☞ दर्शक देर तक खड़े होकर, तालियाँ बजाकर चार्ली की तारीफ़ करते हैं।
- ☞ चार्ली स्टेज पर पहली बार आता है और माँ आखिरी बार।
- ☞ दुनिया के सबसे बड़ा शो मैन का पहला शो यहाँ शुरु होता है।

लग सहायक क्रिया की गतिविधियाँ चलाएँ:

राम *पढ़ने/ लिखने/ जाने लगा।*

लड़के *पढ़ने/ लिखने/जाने लगे।*

लड़कियाँ *पढ़ने/लिखने/जाने लगीं।*

सत्र - पाँच आस्वादन टिप्पणी

पाठ - अकाल और उसके बाद

(कविता - नागार्जुन)

मुख्य बिंदुः

अकाल के समय

चूल्हा रोया और चक्की उदास रही, क्योंकि अनाज नहीं।

कानी कुतिया सोई, क्योंकि घर में गरीबी है।

छिपकलियाँ गश्त लगाती, क्योंकि घर में दीया जलाने केलिए तेल नहीं, इसलिए कीड़े नहीं आते।

चूहों की भी शिकस्त (दयनीय) हालत।

अकाल के बादः

- घर में दाने आए।
- घर के ऊपर धुआँ उठा।
- सब की आँखें चमक उठीं।
- कौए ने पाँखें खुजलाईं।

कई दिनों तक.....

.....रही शिकस्त।

1. कवि ने यहाँ किस हालत का चित्रण किया है ?

(अकाल, अमीरी, हरियाली)

2. चूल्हा क्यों रोया?

(अनाज नहीं, आदमी नहीं, वर्षा नहीं)

3. कई दिनों तक लगी भीत पर

छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी

हालत रही शिकस्त। **- इसका मतलब क्या है?**

घर में गरीबी के कारण दीया नहीं जलाता, कीड़े नहीं आते। इसलिए भूख के मारे छिपकलियाँ गश्त करते हैं। चूहों की हालत भी अन्न के अभाव में शिकस्त रही।

4. अकाल के बाद का वर्णन करें।

सूचना:

- घर में दाने का आना।
- धुआँ उठना।
- आँखों का चमक उठना।
- कौए का पाँखों का खुजलाना।

आस्वादन टिप्पणी - 'अकाल और उसके बाद'

- नागार्जुन

श्री नागार्जुन हिंदी के प्रगतिशील कवि है। नागार्जुन की कविता पढ़नी है तो नागार्जुन को पढ़ना है। उनका असली नाम वैद्यनाथ मिश्र था। वे मैथिली में 'यात्री' नाम से कविता करते थे। 'अकाल और उसके बाद' नामक इस कविता में कवि ने राजनीतिक विचारधारा पर तीखा व्यंग्य किया है।

पहली चार पंक्तियों में मानवीय करुणा का ज्वलंत चित्रण है। 'चुल्हा रोया'-चुल्हा नहीं रोया बल्कि घरवाला रोया। चक्की में दाना नहीं, घर में दाना नहीं। छिपकलियाँ भूख से तड़पती हैं। चुहों की स्थिति भी दयनीय है। यहाँ कवि ने साधारण किसान की भूख और बेचैनी को व्यंग्यात्मक शैली में वर्णित किया है।

अंतिम चार पंक्तियों में स्थिति एकदम बदल गयी है। कई दिनों के बाद जब घर में दाने आये तब चूल्हा जलाया गया और चिमनी से धुआँ उठने लगा। जीवजंतुओं की आँखें चमक उठीं और कौए पंख खुजलाते हुए आने लगे।

आपात काल का वर्णन अनेक कवियों ने किया है। लेकिन नागार्जुन का वर्णन अलग है। रोटी, कपड़ा और मकान एक समय का नारा था। सच्ची राजनीति में अकाल नहीं होगा। यहाँ कवि का साम्यवादी दृष्टिकोण प्रकट है।

सत्र - छह वार्तालाप, चरित्र पर टिप्पणी

पाठ - ठाकुर का कुआँ *(कहानी - प्रेमचंद)*

अधिगम उपलब्धियाँ

- कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- सामाजिक विषय पर चर्चा होती है।
- वार्तालाप तैयार करता है।
- चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखता है।

जोखू ने लोटा.....

.....पानी भरने देंगे (page 49)

उपर्युक्त अंश का वैयक्तिक मौन वाचन करने का निर्देश छात्रों को दें। आशय समझाने योग्य प्रश्न पूछें।

1. इस अंश में कौन -कौन पात्र आते हैं?

2. यहाँ की समस्या क्या है?

3. गंगी और जोखू के आपसी वार्तालाप में किन - किन के नाम आते हैं ?

उः ठाकुर, साहु आदि के

4. जोखू और गंगी ठाकुर या साहू के कुएँ से पानी क्यों नहीं ले सकते?

जाति-पाँति के कारण, वे दोनों निम्न जाती के लोग हैं।

5. इस संदर्भ में उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

छात्रों से वैयक्तिक रूप में लिखवाएँ और प्रस्तुत करवाएँ। अध्यापक सुधार करें और टीचर वर्शन दें।

जोखू : गला सूखा जा रहा है। पीने के लिए थोड़ा पानी दे।

गंगी : यहाँ है पानी, पी लें।

जोखू : क्या तू सड़ा पानी पिला रही है? कैसी बदबू है।

गंगी : पानी में बदबू कैसी? कल तो नहीं थी। कोई जानवर कुएँ में गिरकर मरा होगा, मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।

जोखू : पानी कहाँ से लाएगी?

गंगी : ठाकुर या साहु के कुएँ से।

जोखू : बैठ चुपके से, हम अछूत उन कुएँ से पानी लें तो हाथ-पाँव तुड़वा देंगे।

6. 'घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए मैला गंदा पानी पी रहा है' -इस संदर्भ में संभावित वार्तालाप भी उपर्युक्त प्रकार से तैयार करवाएँ।

अध्यापक बंधुओ, गंगी का चरित्र चित्रण करवाने केलिए निम्नलिखित सोपानों से गुज़रें:

प्रश्न पूछें और वांछित उत्तर श्यामपट पर लिखें।

- **ठाकुर का कुआँ किसकी कहानी है ?**
- **इस कहानी का मुख्य पात्र कौन है?**
- **उसकी सामाजिक स्थिति कैसी है?**

  उः वह अछूत, गरीब और अशिक्षित है।

- **इसके प्रति उसका मनोभाव क्या है?**

  उः सामाजिक अव्यवस्था और जाति - प्रथा का वह विरोध करती है। लेकिन वह असहाय है।

- **उसके विद्रोही मन में सामाजिक अन्याय के विरुद्ध क्या-क्या विचार होते हैं?**

  उ : हम क्यों नीच हैं? उच्च वर्ग के ठाकुर, साहू आदि बड़े अन्याय करते हैं। लेकिन उनका सब कहीं आदर होता है। हम जैसे अछूत असहाय होकर उनके अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। यह हालत तो बदल जाना ही होगा।

- **वह क्यों रात में ठाकूर के कुएँ पर जाती है?**

  उः अपने पति को पिलाने केलिए अच्छा पानी लेने।

- **क्या वह सफल होती है? क्यों?**

  इसमें वह असफल होती है। जब वह पानी ले रही थी तब ठाकुर का दरवाज़ा खुल गाया। ठाकुर 'कौन है'? पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आए। गंगी को वहाँ से भाग जाना पड़ा।

उपुर्यक्त उत्तरों के आधार पर छात्रों से वैयक्तिक रूप से लेखन करवाएँ, प्रस्तुतीकरण और सुधार भी हो जाएँ। फिर टीचर वर्शन दें।

ठाकुर का कुआँ - कुछ प्रश्न

इनका भी लाभ उठाएँ....

जोखू ने लोटा मुँह.....

.....दूसरा पानी आवे कहाँ से? (Page 49)

1. जोखू पानी पी नहीं सका। इसका क्या कारण था?

(बदबू, खुशबू, गर्मी)

2. गंगी के अनुसार पानी में बदबू आने का क्या कारण था?

गंगी को क्यों दूर से पानी लाना पड़ता था?

ठाकुर के कुएँ पर.....

.....पानी लाए देती हूँ। (page 49)

1. गाँव में किन-किन के कुएँ थे?

उः साहू और ठाकुर के

2. जोखू की हालत कैसी थी?

उः वह कई दिनों से बीमार था। अब, प्यास से उसका गला सूख रहा था।

3. गंगी, जोखू को खराब पानी देने को तैयार नहीं थी। क्यों?

4. 'पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है'- गंगी यह नहीं जानती थी। क्यों?

उः उसकी अशिक्षा के कारण

जोखू ने आश्चर्य से.....

.....पानी भरने देंगे (page 49)

1. जोखू गंगी को दूसरे कुएँ से पानी लाने से क्यों मना करता था?

2. "ब्राह्मण आशीर्वाद देंगे, ठाकुर लाठी मारेंगे, साहूजी एक के पाँच लेंगे"

- जोखू के इस कथन से तत्कालीन सामाजिक स्थिति की कैसी भूमिका व्यक्त होती है?

इन शब्दों में.....

.....काम करने का ढंग चाहिए (page 50)

1. शाम में घटा लेकर गंगी कहाँ चली गई?

2. ठाकुर के दरवाज़े पर कौन बैठे थे?

3. ठाकुर के दरवाज़े पर बैठे लोगों की बातचीत से ठाकुर के चरित्र की क्या -क्या विशेषताएँ व्यक्त होती हैं?

इसी समय गंगी.....

यह कि हम ऊँचे हैं। (page 50-51)

1. ठाकुर के कुएँ का पानी किसकेलिए रोका था?

2. गंगी का दिल कैसे विद्रोही हो गया था?

कुएँ पर किसी के.....सीधा नहीं होता। (page 51)

1. महँगू कौन था? उसको क्या हुआ? क्यों?

2. कूएँ पर पानी लेने आई स्त्रियाँ किस विषय पर बातचीत कर रही थीं?

दोनों पानी भरकर....

उसे पहले न हुआ था । (page 51-52)

1. गंगी ने क्षणिक सुख की साँस ली। क्यों?

2. "अमृत चुरा लाने के लिए जो राजकुमार किसी ज़माने में गया था, वह शायद इतनी सावधानी के साथ न गया हो "

- यहाँ गंगी की तुलना राजकुमार से क्यों किया?

उसने रस्सी का.....

.....मैला गंदा पानी पी रहा है। (page 52)

1. ठाकुर का दरवाज़ा कब एकाएक खुल गया?

2. गंगी के हाथ से रस्सी क्यों छूट गई?

3. गंगी ने घर वापस आकर कौन सा दृश्य देखा?

4. **रेखांकित सर्वनाम और परसर्ग को जोड़ कर वाक्य का पुनर्लेखन करें:**

1. वह का पति बीमार था।
2. कोई केलिए रोक नहीं।
3. ये में बात हो रही थी।

5. **'बदबू' के स्थान पर 'दुर्गंध' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें:**

लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच **बदबू** थी।

6. सही मिलान करें

ठाकुर का दरवाज़ा	बार-बार जाना मुश्किल था ।
खाना खाने चले	शेर का मुँह जैसे भयानक ।
कुआँ दूर था	हुक्म हुआ कि ताज़ा पानी भर लाओ

सत्र - सात लेख

पाठ - बसंत मेरे गाँव का

(लेख - मुकेश नौटियाल)

अधिगम उपलब्धियाँ:

'बसंत मेरे गाँव का' पाठ का आशय समझता है । किसी विषय पर लेख तैयार करता है।

भूमिका

लेख गद्य साहित्य का एक महत्वपूर्ण विधा है। इसके ज़रिए लेखक किसी भी विषय पर अपना दृष्टिकोण समाज के सामने अभिव्यक्त करता है। लेख की अपनी खास विशेषताएँ रहती हैं, इन विशेषताओं को छात्रों के सामने पेश करना इस सत्र का लक्ष्य है।

गतिविधि

आप पूछें - बसंत मेरे गाँव का -किसकी रचना है?

मुकेश नौटियाल की

यह किस विधा की रचना है?

लेख

आशय समझाने केलिए छात्रों को दलों में बाँटें।

दल - 1 *मकर सक्रांति.....त्योहार नहीं है ।*

दल - 2 *उधर.....लेन देन चल रहा है।*

दल - 3 *पशुचारकों.....उल्लास बना रहेगा।*

दलों में वाचन करें, आशय समझें और प्रस्तुत अंश के आधार पर मुख्यबिंदु तैयार करें।

प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

प्रस्तुति के समय अध्यापक आवश्यक व्याख्या दें और मुख्य बिंदुओं को श्यामपट पर सूचीबद्ध करें।

पूछें - इस लेख में क्या-क्या हैं?

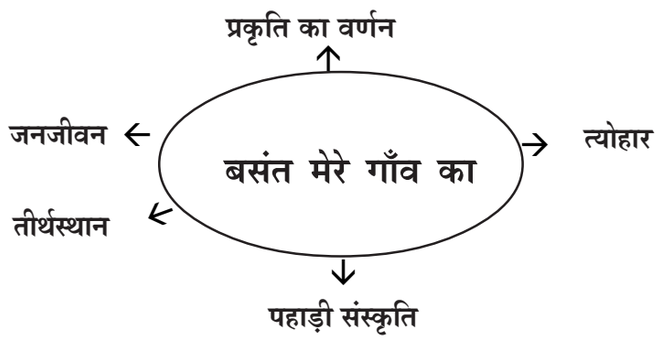

- **क्या यह शीर्षक लेख केलिए उचित है?**
- **इसमें मुख्य रूप से किसका वर्णन है?**

  इसमें बसंत के फूलदेई के त्योहार का वर्णन है, इसलिए शीर्षक विषयानुकूल ही है।
- **हमारे मुख्य त्योहार कौन-कौन से हैं?**

  ओणम, क्रिस्मस, ईद, दीपावली, विषु...
- **इनमें से किसी एक त्योहार पर लेख लिखें।**

  लेखन केलिए पर्याप्त समय दें।

  चुनिंदे छात्रों से प्रस्तुति करवाएँ।

आप पूछें-

- **ओणम की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?**
- **यह कब मनाया जाता है?**
- **इसमें कौन -कौन भाग लेते हैं?**
- **यह कैसे मनाया जाता है?**
- **ओणम के पिछे की लोककथा क्या है?**
- **ओणम कौन-सा संदेश देता है?**

इसके आधार पर :-

वैयक्तिक लेखन का अवसर दें।

छात्रों की प्रस्तुति हो।

आप चर्चा के ज़रिए आकलन सूचकों की अवधारणा दें।

- **उचित/विषयानुकूल शीर्षक लिखा है?**
- **भूमिका, विस्तार और उपसंहार का पालन किया है?**
- **विषय का उचित विश्लेषण किया है?**
- **शुद्ध भाषा का प्रयोग किया है?**

इन आकलन बिंदुओं के आधार पर छात्र अपनी उपज का परिमार्जन करें।

अपनी प्रस्तुति पेश करें।

ये भी करें :-

सदियों से.....अपनी यात्रा कर रहा है।

आज के परिवेश में इस कथन की क्या भूमिका है? प्रकृति और मानव के अटूट संबंध पर लेख लिखें।

सूचना:

- प्रकृति पर मानव का अनियंत्रित हस्ताक्षेप
- पर्यावरण का नाश
- भूमण्ड़लीय तापक्रम वृद्धि
- ऋतुचक्र में बदलाव
- अपना मत

लेख में

- विषयानुकूल शीर्षक
- भुमिका (विषय की परिभाषा, प्रासंगिकता)
- विश्लेषण (गुण-दोष, आवश्यकता, विभिन्न दृष्टिकोण)
- उपसंहार (अपना दृष्टिकोण, विषय पर सुझाव..)

लेख

प्रकृति और मानव

हम सबसे सुंदर ग्रह पर निवास करते हैं। हमारी धरती हरियाली से युक्त है। यह सुंदर और आकर्षक है। प्रकृति-माता हमारी सबसे अच्छी साथी है। वे हमें जीने के लिए सभी ज़रूरी साधन उपलब्ध कराती हैं। प्रकृति हमें पीने का पानी, साँस लेने को शुद्ध हवा, भोजन, रहने केलिए ज़मीन, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे आदि बेहतर जीवन केलिए हमें भेंट देती हैं। हमें इसका आनंद लेना चाहिए। इसकेलिए अनिवार्य है कि हम प्रकृति के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखें। हमें अपने प्राकृतिक परिवेश का ध्यान रखना चाहिए।

लेकिन आज मानव प्रकृति का अनियंत्रित शोषण कर रहे हैं। उसकी दी गई संपत्ति को निजी स्वार्थों केलिए बरबाद कर रहे हैं। आधुनिक तकनीकी युग के आविष्कार प्रकृति को बड़ा नुकसान पहुँचा रहे हैं। धरती पर हमेशा जीवन का अस्तित्व संभव बनाने का दायित्व हम पर निर्भर है। इसकेलिए हमें प्रकृति पर अनियंन्त्रित हस्ताक्षेप नहीं करना है। अगर हम इसकेलिए कोई कदम अभी नहीं उठाते हैं तो आनेवाली पीढ़ी केलिए खतरा उत्पन्न होगा।

बसंत मेरे गाँव का - कुछ प्रश्न

इनका भी लाभ उठाएँ....

स्कोर 1-के प्रश्नः-

'मकर- संक्रांति के बाद.....बौराने लगता है'।

1. मकर संक्रांति के बाद सूरज कहाँ से चौखंभा पर्वत की तरफ़ खिसकना शुरु कर देता है?

पंचाचूली के शिखरों से

2. मकर संक्रांति के बाद सूरज पंचाचूली के शिखरों से किस की तरफ़ खिसकना शुरु करता है?

चौखंभा पर्वत की

3. सूरज कब पंचाचूली के शिखरों से चौखंभा पर्वत की तरफ खिसकना शरु करता है?

मकर संक्रांति के बाद

4. दादी के अनुसार जेठ तक सूरज हर सुबह कितनी दूरी छलाँग मारता है?

बालिश्त भर

5. पंचाचूली से चौखंभा तक पहुँचने में सूरज को कितने महीने का समय लग जाता है?

पूरे चार महीने का

6. पंचाचूली पर्वत की कितनी चोटियाँ हैं?

पाँच

7. चौखंभा पर्वत की कितनी चोटियाँ हैं?

चार

8. पँचाचूली और चौखंभा के बीच में कौन सा पर्वत नज़र आता है?

नंदा पर्वत

9. जब सूरज पंचाचूली से खिसककर नंदा पर्वत तक पहुँचता है तो पहाड़ों मे कौन-सा फूल खिलने लगता है?

फ्मूँली

10. पहाड़ी ढ़लानों पर कटे खेतों का आकार कैसा है?

सीढ़ीनुमा

11. पहाड़ी खेतों में किन-किन की खेती की जाती है?

गेहूँ और सरसों की

स्कोर 2-के प्रश्नः-

1. नंदा पर्वत कहाँ स्थित है?

पँचाचूली की पाँच चोटियों और चौखंभा के चार शिखरों के ऐन बीच में नंदा पर्वत स्थित है।

2. बसंत जब बौराने लगता है तब पहाड़ी ढ़लानों पर क्या-क्या रूपांतर होते हैं?

पहाड़ों में फ्मूँली के पीले फूल खिलने लगते हैं।

पहाड़ों के खेतों में गेहूँ की हरियाली के बीच सरसों की पीलाई पसर जाती है।

'गेहूँ की हरियाली के बीच सरसों की पीलाई पसर जाती है।'

'पीलाई' के स्थान पर **'पीलापन'** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

'बसंत फूलदेई का.....दूसरा त्योहार नहीं है'

स्कोर 1-के प्रश्न :-

1. बसंत कौन सा त्योहार लेकर आता है?

फूलदेई का

2. फूलदेई के त्योहार के अवसर पर बच्चे अपने चुने हुए फूल रात भर किस तरह की टोकरियों में रखते हैं?

रिंगाल से बनी खास तरह की टोकरियों में

3. 'पौ फटना' से क्या मतलब है?

प्रभात होना

4. उत्तराखंड़ के पहाड़ी अंचल में बच्चों का सबसे बड़ा त्योहार कौन सा है?

फूलदेई का त्योहार

5. फूलदेई का त्योहार कहाँ मनाया जाता है ?

उत्तराखंड के पहाड़ी अंचल में

6. फूलदेई के त्योहार में बड़ों की क्या भूमिका है?

केवल सलाह देना

स्कोर -2-के प्रश्नः

1. फूलदेई के त्योहार के अवसर पर जिनके घर फूलों से सजाए जाते हैं वे बच्चों को क्या-क्या देते हैं?

चावल, गुड़, दाल आदि

2. फूलदेई के त्योहार में दक्षिणा में मिली सामग्रियों से क्या किया जाता है?

दक्षिणा में मिली सामग्री त्योहार के पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठी की जाती है। अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोजन बनाया जाता है।

'उधर बच्चे फूल देई.....लेन- देन चल रहा है।'

1. फूलदेई के त्योहार में परंपरागत रूप से चैती गीत गानेवाले क्या कहलाते हैं?

औजी

2. फूलदेई के त्योहार में गाए जानेवाले चैतीगीत में किन- किन के किस्से होते हैं?

पाँड़वों की हिमालय यात्रा के किस्से और पहाड़ी वीरों की शौर्य - गाथाएँ।

3. बंसत की धूप जब तपाने लगती है तब हिमालय-शिखरों पर कौन सा फूल चटकने लगता है?

बुराँस का फूल

स्कोर 2-के प्रश्नः

1. ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से पशुचारक निचले इलाकों में क्यों उतरते हैं?

ठंड के मौसम में पहाड़ों के चरागाह बर्फ से ढ़क जाते हैं।

तब अपनी जानवरों को चराने केलिए वहाँ के पशुचारक अपने जानवारों के साथ निचले इलाकों में उतरते हैं।

2. पशुचारक जानवरों के साथ-साथ, गाँववालों को क्या-क्या बेचते हैं?

कीड़ाजड़ी, करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जड़ी आदि।

3. गाँववालों केलिए खरीदते वक्त पशुचारकों को पूरी कीमत चुकाना ज़रूरी नहीं होता। क्यों?

पशुचारकों का गाँवों से सदियों का रिशता है। आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से ये लेन-लेन चल रहा है। बर्फीले मौसम में निचले इलाकों में जाते समय पुरानी वसूली की जाती है।

4. नकद-उधार के आंकड़े कहीं दर्ज नहीं होते, इससे गाँववालों का कौन सा मनोभाव प्रकट होता है?

गाँववालों के भोलापन, आपसी संबंध और सच्चाई का मनोभाव प्रकट होता है।

5. 'पशुचारकों का जत्था गुज़र जाता है।'

'जत्था' के स्थान पर **'टोली'** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

'पशुचारकों के जत्थे.....बना रहेगा।'

स्कोर -1-के प्रश्नः

1. सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है, तब कौन सा महीना शुरु हो जाता है?

जेठ

2. बद्रीनाथ की यात्रा कब शुरु होती है?

जेठ के महीने में

3. 'जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा' यह किसने कहा?

दादी ने

स्कोर 4

1. "जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा" । 'आज के प्रसंग पर इस कथन की भूमिका क्या है? अपना मत प्रकट करें।

सूचना :

प्रकृति पर मानव का अनियंत्रित हस्ताक्षेप
पर्यावरण का नाश
भूमण्ड़लीय तापक्रम वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग)
ऋतुचक्र में बदलाव

2. फूलदेई के त्योहार पर टिप्पणी लिखें।

सूचना:

उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में
बसंत
फ्यूँली के फूल
बच्चों का फूल चुनना
बच्चों की टोलियाँ घरों को सजाना
दक्षिणा
औजी
चैती-गीत
पांडवों और पहाड़ी वीरों की शौर्य गाथाएँ
अंत में सामूहिक भोजन

3. कई साल बाद लेखक मुकेश नौटियाल अपने गाँव आकर फुलदेई के त्याहार में भाग लेते हैं। उनकी डायरी कलपना करके लिखें।

सूचना:

बचपन की याद-दादी
बसंत
फूलदेई का त्योहार
पहाड़ों का वर्णन-पशुचारकों का गाँववालों से सदियों का रिश्ता
दादी का कथन 'जब तक हिमालय रहेगा..'

सही मिलान करें:

गाँवों से पशुचारकों का सदियों का रिश्ता है।	अंतिम दिन इन से सामूहिक भोज बनाया जाता है।
पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है।	उनके हाथ में एकतारा होता है और उसके संगीत पर वे भजन गाते हैं।
दक्षिणा में मिली सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है।	इसलिए उसी वक्त पूरी कीमत चुकाना ज़रूरी नहीं होता।
सुदूर दक्षिण से आनेवाले महात्मा कई बार हमारे गाँव तक आ जाते हैं	तब मेरे गाँव में हाड़कंपा देनेवाली ठंड पड़ती है।

5. ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक महीनों के बाद जब अपने घर लौट आते हैं तब रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन-तेन भी होता रहता है। उस उवसर पर उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

6. दिल्ली में पढ़नेवाला उत्तराखंड के हिमालयी अंचल का एक छात्र /छात्रा अपने गाँव के फूलदेई के त्योहार के बारे में सहपाठी को पत्र लिखता है / लिखती है। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

व्याकरण संबंधी प्रश्नः

अध्यापकों केलिएः

सामान्य वर्तमानकाल की रूप रचना :-

क्रियाधातु के साथ कर्ता के लिंग-वचन के अनुसार ता/ती/ते/हूँ/हो/है/हैं जोड़ दिए जाते हैं।

उदाहरण के अनुसार बदलकर लिखें:

सीता ने पाठ पढा।
सीता पाठ पढ़ती है।

1. रहीम राम से बोला।
2. लडकों ने काम किया।
3. लड़कियों ने फल खाए।
4. वे आए।
5. अध्यापक भाषण देंगे।

उत्तर

1. रहीम राम से बोलता है।
2. लड़के काम करते हैं।
3. लड़कियाँ फल खाती हैं।
4. वे आते हैं।
5. अध्यापक भाषण देते हैं।

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में बदलने केलिएः

1. कर्ता + से
2. क्रिया सामान्य भूतकाल में, कर्म के लिंग-वचन के अनुसार
3. क्रिया के साथ 'जा' सहायक क्रिया का प्रयोग

नमूने के अनुसार बदलकर लिखें:

बच्चे फूल चूनते हैं।
बच्चों से फूल चूने जाते हैं।

1. बच्चे चैती गीत गाते हैं।
2. वे जड़ी व औषधियाँ भी बेचते हैं।
3. दक्षिण से आनेवाले महात्मा भजन गाते हैं।
4. लड़का सारा काम करता है।
5. मैं बद्रीनाथ यात्रा मार्ग की भीड़ देखता हूँ।

उत्तर

1. बच्चों से चैती गीत गाया जाता है।
2. उन से जड़ी व औषधियाँ भी बेची जाती हैं।
3. दक्षिण से आनेवाले महात्माओं से भजन गाया जाता है।
4. लड़के से सारा काम किया जाता है।
5. मुझसे बद्रिनाथ यात्रा मार्ग की भीड़ देखी जाती है।

प्रकृति और मानव का अटूट संबंध है-इस आशय पर आधारित पोस्टर तैयार करें।

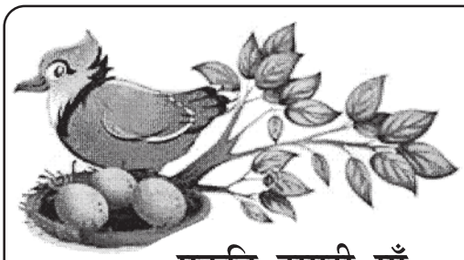

प्रकृति हमारी माँ,
प्रकृति की रक्षा
हमारी सुरक्षा।

पेड़ लगाएँ,
हरीतिमा बढ़ाएँ।

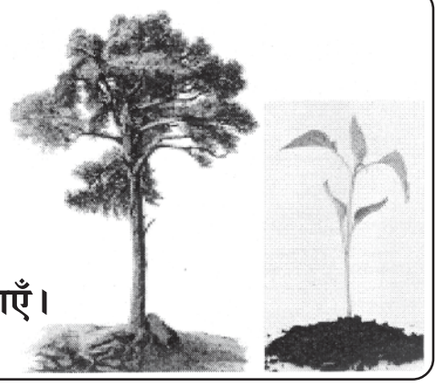

सही मिलान करें:

I

टोकरियों को रात भर पानी से भरी गागरों के ऊपर रखा जाता है।	सारे काम बच्चे करते हैं।
जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं	ताकि वो सुबह तक मुरझा न जाएँ।
बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित है	वे बच्चों को चावल, गुड़, दाल आदी देते हैं।

II

बसंत की धूप तपाने लगती है	सड़क में हलचल बढ़ जाती है।
गाँवों से उनका सदियों का रिश्ता है	ऊँचे हिमालय शिखरों पर बुराँस चटकने लगते हैं।
पशुचारकों के जत्थे गुज़र जाते हैं	उसी वक्त पुरानी कीमत चुकाना ज़रूरी नहीं होता।

III

फूलदेई का त्योहार आता है।	सामग्रि से सामूहिक भोज बनाया जाता है।
बच्चे फूलों से घर सजाते हैं।	बच्चे फूल चुनते हैं।
दक्षिणा की सामग्री इक्कीस दिन इकट्ठा करते हैं।	घरवाले दक्षिणा देते हैं।

सत्र - आठ पत्र, ब्रॉशर

पाठ - जैसलमेर *(यात्रा वृत्त - मिहिर)*

अधिगम उपलब्धि

जैसलमेर यात्रावृत्त पढ़कर आशय समझता है।

पत्र तैयार करता है।

ब्रॉशर तैयार करता है।

भूमिका

आज भी पत्र लेखन की अहम भूमिका है। पत्र लेखन की एक विशिष्ट भाषा संरचना है। इसके सम्यक प्रयोग से विचार-विनिमय सफल और आकर्षक बनाता है। इससे संबंधित अधिक धारणाएँ छात्रों को देना इस सत्र का लक्ष्य है।

पूछें:

'जैसलमेर' किसकी रचना है ? (मिहिर की)

यह किस विधा की रचना है ? (यात्रावृत्त)

यहाँ लेखक ने जैसलमेर की अपनी यात्रा का वर्णन अच्छी तरह किया है। ज़रा देखें :

दल 1 जैसलमेर की यात्रा.....होली के रंग याद हो आए।

दल 2. जब मैं तस्वीर लेने.....परदेस भी घर हो जाता है।

दल 3. शाम को हम सम.....मज़ेदार अनुभव था।

छात्र दलों में वाचन करें। आशय समझें।

छात्र आशय प्रस्तुत करें।

आप आशय श्यामपट पर सूचीबद्ध करें।

- लेखक को जैसलमेर की यात्रा केलिए सिर्फ तीन दिन का समय 20-20 ओवर मैच जैसे लगता है।
- रेलगाड़ी में ओढ़ने- बिछाने के इंतज़ाम के साथ चले थे,लेकिन जैसलमेर गरम प्रदेश होने से उनकी ज़रूरत नहीं पड़ी।
- सोनार किले को देखकर, लेखक को सत्यजीत राय के जासूसी उपन्यास याद आता है।
- सोनार किला, अंदर के परिवार, वहाँ की दुकानें सभी दृश्य मनमोहक लगते हैं।
- लोनली प्लैनेट नामक पर्यटक गाईड़ की खराब परामर्श के कारण पर्यटकों का आना कम होने पर वहाँ के व्यवसायियों की अजीब प्रतिक्रिया लेखक को बहुत भाता है।
- दुनिया की छत तिब्बतवाले यहाँ रेस्तराँ चलाते हैं।
- बर्फीले इलाके से तेज़ गरमवाले प्रदेश आके ये लोग काम की तलाश में बहुत कुछ करने को तैयार हो जाते हैं।

- सम देखने केलिए सीखे हुए माईकल नामक ऊँट पर सवार करते हैं।
- जवानों के साथ सीमा-रेखा देखते हैं।
- सारी सीमा पर तारबंदी है। लेकिन दोनें ओर का दृश्य एक जैसा ही लगता है।
- यह यात्रा लेखक को मज़ेदार अनुभव प्रदान करती है ।

लेखक अपनी मज़ेदार यात्रा के बारे में मित्र के नाम पर पत्र लिखता है। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

छात्रों को लिखने केलिए पर्याप्त समय दे।

आप यह प्रश्न पूछें।

- पत्र लिखते वक्त किन - किन बातों पर ध्यान देना है ?

चर्चा चलाऐं-

- रूपरेखा का पालन करना है।

(स्थान, तारीख, संशोधन, कलेवर, स्वनिर्देश, पता)

- प्रसंगानुकूल लिखना है।
- पात्रानुकूल भाषा का प्रयोग करना है।
- चर्चा के आधार पर छात्र अपने का परिमर्जन करें।

प्रस्तुत करें

दो एक का संशोधन कार्य चलाएँ।

अपनी प्रस्तुति पेश करें।

पत्र में-

- रूपरेखा (स्थान, तारीख, संबोधन, कलेवर, स्वनिर्देश, पता)
- प्रसंगानुकूल
- कल्पना का समावेश
- पात्रानुकूल भाषा

पत्र

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र,

कैसे हो? सब ठीक है न? अब वहाँ से कुछ खबर मिलती ही नहीं... क्या आप कोई तकलीफ में तो नहीं....यहाँ तो सब नियमित रूप से ही चल रहे हैं।

अपनी जैसलमेर यात्रा का अनुभव बाँटने केलिए ही अब मैं यह लिखने बैठा हूँ। जैसलमेर...मज़ेदार जगह है यार.....तेज़ गरमी थी वहाँ पर..हम रेलगाड़ी में ही वहाँ पहुँचे थे। सोनार किले के समीप से गुज़रते वक्त मुझे सत्यजीत राय के जासूसी उपन्यास की याद आई। कितनी मज़ेदार जगह है यह....। इसके भीतर बड़ी संख्या में परिवार रहते हैं। आनेवाले पर्यटक ही उनकी रोज़ी-रोटी है। इतनी खूबसूरती से यहाँ दुकानें सजी हैं। यह तो वर्णन के परे है। दुनिया भर में चार्चित पर्यटक गाईड लोनली प्लैनेट की ओर उनकी प्रतिक्रिया देखकर हम दंग रह गये। एक दुकान के बाहर लिखा "थैंक यू लोनली प्लैनेट फाँर मेकिंग अस अनइम्पलाँइड'। गाइड़ में किसी ने इस जगह के बारे में कुछ खराब लिखा था, इसलिए विदेश पर्यटकों का यहाँ आना बंद हो गया था...कैसी सूझ से उनकी....।

यहाँ दुनिया की छत, तिब्बत के दोस्त एक रेस्तराँ चलाते दिखाई दिया। सोचा, काम की तलाश आदमी से क्या-क्या नहीं करवाती। हाँ, पेट भर खाना, सर ढंकने को छत.....परदेस भी घर लगेगा ही।

सम देखने गये, तो माइकल नामक एक ऊँट पर सवारी की थी। एक सीखा हुआ ऊँट, कितनी सावधानी से हमें घुमा दिया, देखकर ही तो समझना है।

दिवाली के दिन हम हिन्दुस्तान की आखिरी सीमा देखने गए थे। वहाँ पर तैनात जवानों के साथ हमने सीमारेखा देखी। सारी सीमा पर तारबंदी हो गई है। एक तरफ़ से दूसरी तरफ़ जाना मुश्किल है। लेकिन दोनों ओर का दृश्य एक जैसा ही है। ऐसा लगता है कि क्या हमें इन सीमाओं की ज़रूरत ही है।

अरे यार...यह यात्रा एक मज़ेदार अनुभव था। आप भी एक बार जैसलमेर की यात्रा करके देख लें। मज़ा आएगा।

आपका प्रिय मित्र

(हस्ताक्षर)

नाम

सेवा में

नाम

पता

जैसलमेर - कुछ प्रश्न

इनका भी लाभ उठाएँ....

स्कार 1

1. मिहिर की यात्रा कहाँ से शुरू हुई?

जयपुर से

2. मिहिर की यात्रा कब शुरु हुई?

रात में

3. 'जोधपुर के बाद जैसे-जैसे रेल का आगे का सफ़र शुरु हुआ एक-एक करके हमारे गरम कपड़े उतरने लगे'। क्यों?

गर्मी बढ़ जाने से

4. जैसलमेर की यात्रा पर लेखक को सत्यजीत राय की कौन सी फिल्म याद आई?

गूपी गईन, बाघा गाईन

5. 'हमारे गरम कपड़े जो बैग के अंदर गए तो फिर वापस जयपुर आकर ही निकले'। क्यों?

यात्रा गरम प्रदेशों से होने के कारण

6. सोनार किले को वह नाम किनके उपन्यास से मिला है?

सत्यजीत राय के

7. पोखरण और रामदेवरा से गुज़रते हुए लेखक को कई बार किस की याद आई?

सोनार किले की

8. सोनार किले के भीतर के परिवारों केलिए उनकी रोज़ी-रोटी किनसे मिलती है?

वहाँ आनेवाले पर्यटकों से

9. सोनार किले की रंग बिरंगी जूतियाँ देखने पर लेखक को किस की याद आई?

होली के रंग

10. "दुनिया की छत" कौन सा देश है?

तिब्बत

11. तिब्बत के लोग किले के अंदर क्या चलाते हैं?

रेस्तराँ

12. सम यानी क्या है?

रेगिस्तान

13. लेखक जिस ऊँट पर बैठे उसका नाम क्या था?

माईकल

14. दिवाली के दिन लेखक क्या देखने गए?

हिंदुस्थान की आखिरी सीमा (बार्डर)

15. बार्डर जौसलमेर से कितनी दूरी पर है?

100-130 किलोमीटर की

16. बी.एस.एफ. का इलाका कहाँ से शुरु होता है?

रामगढ़ से

17. 'सीमा पर एक तरफ़ से दूसरी तरफ़ जाना बहुत मुश्किल है'। क्यों?

सारी सीमा पर तारबंदी है।

18. 'अब तो जानवर भी दूसरी तरफ़ घास चरने नहीं जा सकते'। क्यों'?

सीमा पर तारबंदी है।

स्कोर 2

1. जैसलमेर की यात्रा के अवसर पर लेखक को सत्यजीत राय की फिल्म गूपी गाईन, बाघा गाईन याद आई। क्यों?

उस फिल्म में अचानक ठंडे देश से गरम प्रदेश में पहूँच जाने पर गूपी और बाघ अपने गरम कपड़े उतारते हैं। ऐसे ही, जैसलपुर की यात्रा पर लेखक को भी जोधपुर के बाद रेल का आगे का सफ़र शुरु हूआ। एक एक करके अपने गरम कपड़े आरने पड़े।

2. पोखरण और रामदेवरा से गुज़रते हुए लेखक को कई बार सोनार किला की याद आई। क्यों?

सत्यजीत राय के एक उपन्यास में जैसलमेर के रास्ते में आनेवाली कई जगहों का ज़िक्र है। इसी उन्यास के कारण ही सोनार किले को वह नाम मिला जो पोखरन और रामदेवरा के बीच में स्थित है। लेखक ने उस उपन्यास को बचपन में ही पढ़ा था।

3. सोनार मिले के अंदर जो दुकानें हैं उन में क्या क्या बेचे जाते हैं?

उः उनमें सजावटी सामानों से लेकर खूबसूरत कपड़ों तक बेचे जाते हैं।

4. "...लेकिन काम की तलाश क्या-क्या नहीं करवाती।" इस का क्या मतलब है?

लोग नौकरी की खोज में परदेश जाते हैं। जीवन बिताने केलिए वहाँ जाकर कुछ भी काम करने केलिए वे तैयार होते हैं।

5. बहुत लोग सम देखने आते हैं।क्यों?

रेत के दूर-दूर फैले टीलों को देखने और ऊँट की सवारी करने केलिए वहाँ बहुत लोग आते हैं।

6. "उसने (माईकल) हम नौसिखिए लड़कों को ज़रा भी परेशानी नहीं होने दी।" इस का मतलब क्या है ?

लेखक जिस ऊँट पर बैठे थे उसका नाम था माईकल। माईकल एक सीखा हुआ ऊँट था। वह अपने मालिक की आवाज़ से ही समझ पाता था कि कब उठे तथा कब चले।

सही मिलान करें :-

1

सारी सीमा पर तारबंदी हो गई है।	तो परदेस भी घर के जाता है।
माईकल एक सीखा हुआ ऊँट था।	उसने हमें ज़रा की परेशानी नहीं होने दी।
पेट भर खाना, सर ढँकने को छत मिल जाए	एक तरफ़ से दूसरी तरफ़ जाना बहुत मुश्किल है।

2

सोनार किला	लानली प्लैनेट
दुनिया भर में चर्चित पर्यटक गइड	तिब्बत
दुनिया की छत	मज़ेदार जगह

3

कहाँ तिब्बत की बर्फ़	वो वैसा ही करता।
हमें लगता रहा कि हम उसे चला रहे हैं	कहाँ जैसलमेर की तेज़ गर्मी
उसका मालिक जैसा कहते	लेकिन वो हमें घुमा रहा था।

ब्रॉशर

सूची के आधार पर जैसलमेर यात्रा के लिए एक ब्राँशर तैयार करें।

सूची :
राजस्थान, सम, सोनार किला
जोधपुर, जयपुर, आखिरी सीमा
तनोट

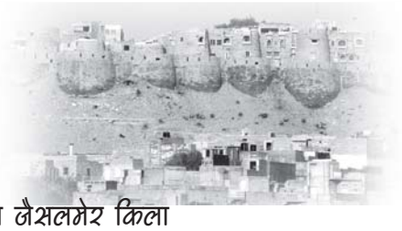

राजा रावत जैसलमेर का जैसलमेर किला
सोनार किला
रेलवे स्टेशन से 16 मील की दूरी पर
रहने केलिए शानादार होटल

‘रंगमहल’

सर्पक करें-info@hotelrangmahal.com
Ph. +918764523120

सस्ता एवं बढ़िया खाने केलिए
फ्री तिब्बत रूफ टॉप रेस्टोरेंट

सूर्यनगरी - जोधपुर
तार रेगिस्तान के पास
बहुत सारे किले,मंदिर और महल
से भरपूर....

राजकीय माता तनोट मंदिर
पाकिस्तान सीमा के पास...
जैसलमेर से 130 कि.मी.की दूरी पर

सम से ऊँट सवारी की मज़ा भी उठाइए...संपक केलिएः www.worldseen@gmail.com

सत्र - नौ आस्वादन टिप्पणी

पाठ - बच्चे काम पर जा रहे हैं

(राजेश जोशी)

1. अधिगम उपलब्धियाँ

- कविता पर लिखी टिप्पणी का आकलन सूची तैयार करता है।
- कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता का विश्लेषण करता है और चर्चा में भाग लेता है।
- कविता पर टिप्पणी लिखता है।
- सामाजिक विषय पर होनेवाली चर्चा पर भाग लेता है।
- कविता केलिए आस्वादन टिप्पणी लिखता है।
- बालश्रम के कारणों पर विचार करता है और सूचीबद्ध करता है।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी राय प्रकट करता है।
- पत्र लिखता है।
- बालश्रम के विरुद्ध पोस्टर की तैयारी।

मुख्य बिंदु

- बडे सबेरे कोहरे से ढकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं।
- बच्चों से काम करवाना बालश्रम है।
- यह आजकल की एक भयानक समस्या है।
- भारत में बालश्रम के खिलाफ़ नियम है।
- बालाश्रम एक सामाजिक और विकराल समस्या है।
- बच्चों को पढ़ना, खेलना, स्वच्छंद रीति से रहना है।
- लेकिन ये बच्चे स्कूल, मैदान, बगीचा, घर का आंगन आदि से वंचित है।

"हमारे समय की खबसे भयानक पंक्ति है यह

भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना

लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह"

- **हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह' भयानक पंक्ति क्या है?**

कोहरे से ढंकी सड़क पर सुबह सुबह एक के बाद एक करके बच्चों का काम पर जाना हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है।

'भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना'
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह'-

- **'इसे सवाल की तरह लिखा जाना है' । क्यों?**

यहाँ कवि आज की एक ज्वलंत सामाजिक समस्या-बालश्रम के प्रति हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। समस्या को प्रस्तुत करने में समाज की ओर समस्या उठाना ही सशक्त मार्ग है।

- **कवि के अनुसार यह सवाल किससे पूछना है?**
- **कवि ये सवाल किन-किन से उठा रहे हैं?**
- **सवालों के जवाब देने की ज़िम्मेदारी किन-किन की है?**

कविताँश के आधार पर सही मिलान करें

इसे लिखा जाना चाहिए	बच्चे काम पर जा रहे हैं।
कोहरे से ढकी सड़क पर	भयानक है।
इसे विवरण की तरह लिखा जाना	सवाल की तरह

- **'कितना भयानक होता अगर ऐसा होता' -यहाँ भयानक बात क्या है? क्यों?**

बच्चे बुनियादी हकों से वंचित होना भयानक बात है। क्योंकि हमारे संविधान में सभी बच्चों केलिए कुछ बुनियादी अधिकार देता है। कभी कभी बच्चों के इन बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। स्कूल जाना, पढ़ना, लिखना, खेलना, कूदना, जीवन की मज़ा लूटना....आदि बचपन का काम है। लेकिन कुछ बच्चे इनसे वंचित हैं। हमें यह समझना होगा, क्योंकि बच्चे देश का भविष्य ही नहीं वर्तमान भी हैं।

'क्या अंतरीक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने,
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं सारे मदरसों की ईमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?"

कविता की आस्वादन - टिप्पणी लिखो।

ये पंक्तियाँ हिन्दी के आधुनिक कवि श्री राजेश जोशी की लिखी कविता 'बच्चे काम पर जा रहे है' से ली गयी हैं। कवि पूछते हैं - जिन गेंदों से बच्चों को इस उम्र में खेलना है वे सब अंतरीक्ष में गिर गई है। जिन रंग-बिरंगी किताबों को उन्हें पढ़ना है, उन्हें दीमक ने खा लिया है। जिन खिलौनों से उन्हें खेलना है वे काले पहाड के नीचे दब गए हैं और पाठशालाएँ भूकंप में ढँह गई हैं। क्या बच्चों के खेलने के मैदान, घरों के आँगन और सारे बगीचे एकाएक खत्म हो गए है ? आगर ऐसा है तो इस दुनिया में फिर क्या बच गया है ? अगर ऐसा होता तो यह सचमुच बहुत भयानक स्थिति है । पर कवि के अनुसार इससे भी ज़्यादा भयानक है इस बात को एक सामान्य प्रथा या रीति के अनुकूल मानना। समाज में बच्चों से भी काम करवाने की प्रथा है। यह अन्याय है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि अपनी कलम समाज की अन्याय की ओर चलाते हैं। स्कूल जाना, पढ़ना, लिखना, खेलना, कूदना, जीवन की मज़ा लूटना..आदि बचपन का काम है। लेकिन कुछ बच्चे इनसे वंचित हैं। उनको इस समय स्वच्छंद होकर जीना है। बालश्रम एक बुरी प्रथा है। बालश्रम के विरुद्ध हम सबको आवाज़ उठानी है।

आकलन बिंदु

- कवि और कविता का जिक्र हो।
- कविता के आशय की संक्षिप्त प्रस्तुति हो।
- कविता की विशेषताओं का उल्लेख हो।
- कविता के बहुआयामी अर्थ का विश्लेषण हो।
- अपना दृष्टिकोण प्रकट हो।

- **मैदान, बगीचे और घरों के आँगन आदि किसके लिए है?**
- **यहाँ के बच्चे इन सबसे वंचित है। क्यों? इसका उत्तरदायी कौन हैं? इसकेलिए हम क्या कर सकते हैं?**
- **इन पक्तियों में बचपन से जुडे कौन-कौन से शब्द हैं?**
- **इन शब्दों से जुडे कौन-कौन से सवाल कवि ने यहाँ उठाए हैं?**
- **कवि ये सवाल किन-किन से उठा रहे हैं?**
- **तो इन सवालों के जवाब देने की जिम्मेदारी किन-किन की हैं?**
- **इन पंक्तियों का आशय लिखें।**

कवितांश के आधार पर सही मिलान करें

सारी गेंदें	भूकंप में ढँह गयी है ।
रंग बिरंगी किताबों को	अंतरीक्ष में गिर गयी है।
मदरसों की इमारतें	दीमकों ने खा लिया है।

कवि की राय में बच्चों के काम पर जाने से भी भयानक बात क्या है?

बच्चों का काम पर जाना एक सामान्य रूढ़ी मानना

बालश्रम के विरुद्ध पोस्टर तैयार करें।	**आकलन बिंदु**
बच्चों को पढ़ने दें न काम पर भेजे। आज का बच्चा आज का ही नागरिक है। बच्चों के अधिकार पर हाथ मत डाले। बच्चे अपने बचपन से वंचित न रहे। बचपन जिंदगी का मीठापन का समय है।	• संदेश संप्रेषणीय हो। • आकर्षक रूप से संदेश लिखा हो। • पोस्टर आकर्षक हो।

'बच्चे काम पर जा रहे हैं' - कविता में कवि किस समस्या के बारे में बताता हैं?

बालश्रम

- कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं।
  सुबह- सुबह लोग क्या करते हैं? बच्चे क्या करते हैं?
  यहाँ के बच्चे क्या करते हैं? इसके बारे में आपकी राय क्या है?

- *"कितना भयानक होता अगर ऐसा होता*
  भयानक है लेकिन इससे भी ज़यादा यह
  कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल"

-'कितना भयानक होता अगर ऐसा होता'- यहाँ भयानक बात क्या है?

पोस्टर

बालश्रम
कठोर
अपराध है।
स्कूल
बच्चों को कक्षाओं में
बिठाओ, गिलासों में नहीं...
सब पढ़ें, सब बढ़ें।

सत्र - दस डयरी

पाठ - गुठली तो पराई है

(कहानी - कनक शशि)

1. अधिगम उपलब्धी

- चित्र वाचन करता है और आशय प्रस्तुत करता है।
- कहानी पढ़ता है और आशय प्रस्तुत करता है।
- कहानी की घटनाओं को चुनकर लिखता है।
- कहानी के आधार पर पटकथा लिखता है।
- दोस्ती की याद करते हुए टिप्पणी लिखता है।
- संबंधकारक परसर्ग को पहचानता है और परसर्गयुक्त वाक्यों को चुनकर लिखता है।
- टिप्पणी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता पर लिखी टिप्पणी का आकलन सूची तैयार करता है।
- कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता पर टिप्पणी लिखता है।
- संस्मरण पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- अपना अनुभव लिखकर प्रस्तुत करता है।
- भविष्यत काल के वाक्यों की विशेषता पहचानता है और चुनकर लिखता है।
- जीवनी का अंश पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- किसी घटना पर रपट तैयार करता है।
- 'लग' सहायक क्रिया का प्रयाग समझता है और ऐसे वाक्यों को चुनकर लिखता है।
- कविता का विश्लेषण करता है और चर्चा में भाग लेता है।
- कविता पर टिप्पणी लिखता है।
- सामाजिक विषय पर होने वाली चर्चा पर भाग लेता है।
- चरित्रगत विशेषताएँ लिखता है।
- संगोष्ठी केलिए आलेख तैयार करता है।
- संगोष्ठी में भाग लेता है।
- लेख पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- संस्मरणात्मक लेख की विशेषताएँ समझता है और चर्चा में भाग लेता है।
- संस्मरणात्मक लेख लिखता है।
- वर्तमान काल के बारे में समझता है और वर्तमान काल के वाक्यों को पहचानकर लिखता है।
- यात्राविवरण पढ़ता है और आशय प्रस्तुत करता है।

- लेख लिखता है।
- ब्रॉशर तैयार करता है।
- सर्वनाम और परसर्ग का योग समझता है और प्रत्यययुक्त सर्वनाम पहचानकर लिखता है।
- कविता के लिए आस्वादन टिप्पणी लिखता है।
- बालश्रम के कारणों पर विचार करता है और सुचीबद्ध करता है।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी राय प्रकट करता है। पत्र लिखता है।

2. गुठली तो पराई है। (कनक शशी)

अधिगम उपलब्धियाँ

- कहानी की घटनाओं को चुनकर लिखता है।
- कहानी के आधार पर पटकथा लिखता है ।
- संबंधकारक परसर्ग को पहचानता है और परसर्गयुक्त वाक्यों को चुनकर लिखता है।
- अपना अनुभव लिखकर प्रस्तुत करता है।
- कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- सामाजिक विषय पर होने वाली चर्चा पर भाग लेता है।
- चरित्रगत विशेषताएँ लिखता है।
- सर्वनाम और परसर्ग का योग समझता है और प्रत्यययुक्त सर्वनाम पहचानकर लिखता है।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी राय प्रकट करता है।
- पत्र लिखता है।

3. मुख्य बिंदु /घटना

- गुठली चौदह साल की लड़की है।
- गुठली एक लड़की है- यह बात बुआ याद कराती है।
- बुआ के अनुसार गुठली पराये घर की अमानत है।
- गुठली अपने को पराये घर की अमानत नहीं मानती है।
- माँ भी बुआ का साथ देती है।
- गुठली बहूत उदास होती है।
- दीदी की शादी के कार्ड में गुठली का नाम नहीं छपवाता है।
- भैये के छोटे से छोटे बच्चे का नाम कार्ड पर है।
- माँ गुठली का नाम कार्ड पर लिख देती है।
- गुठली चुप रहनेवालों में से नहीं है।
- शादी के बाद दीदी में बदलाव आता है।
- दैनिक काम करने में गुठली इनकार करती है।

4. गतिविधियाँ

- पूरा पाठ एक बार पढ़ता है।
- पाठ के मुख्य बिंदु या घटना चुनता है।
- मुख्य बिंदु या घटना प्रस्तुत करता है।
- पत्र, टिप्पणी, डायरी, पोस्टर, वार्तालाप, पटकथा आदि के नाम पर दल बनाता है।
- पाठ भाग का अंश दलों को देता है।
- मिले अंश पर दल (प्रोक्ति के आधार पर) प्रोक्ति तैयार करता है।
- प्रस्तुत करता है।
- परिमार्जन करता है।

5. नीचे दिए गए पाठ का अंश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर लिखें।

'ऐसा मत करो', 'ऐसे पट पट मत बोलो', ऐसे धम-धम मत चलो..'। एक दिन गलती से ***उसने*** पूछ ही लिया, 'क्यों' ? तो बस शुरु हो गई, "अरे छोरी, लोग नाम तो ***तेरी*** माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर"?

गुठली बोली, 'अपना घर? यही तो है ***मेरा*** घर, जहाँ मैं पैदा हूई।" बूआ हँसके बोली, " अरी बेवकूफ़ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही ***तेरा*** असली घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी,पर अप ***तेरे*** फुफाजी का घर ही ***मेरा*** घर है। कुछ समझी?"

- **बडी बूआ गुठली को अच्छी लगती है पर उनसे बात करना उसे कुछ खास पसंद नहीं, क्यों?**

  बुआ गुठली को स्वीकार नहीं करती। वह उसको पराये घर की अमानत कहती है।

- **'अपने घर जाकर'- बुआ जी के अनुसार 'अपने घर' का तात्पर्य क्या है?**

  (पिता का घर, माता का घर, ससुराल)

6. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर पटकथा तैयार करें

दृश्य	संवाद		
पेड़ पौधों से भरा गाँव। एक मध्यवर्गीय रूढीवादी परिवार का घर। घर में गुठली, माँ, बाप, बुआ, बडे भैया, दीदी, भाई के छोटे-से बेटा आदि है। समय सबेरे नौ बजे। गुठली चौदह साल की गोरी लड़की। कमीज़ और फ्राक पहनी है। अपने घने बाल दोनों तरफ़ बाँधकर आगे की ओर डाला है। रुढ़िवाद के विरुद्ध आवाज़ उठानीवाली लड़की। बुआ पैतालीस-पचास साल की औरत। वे हर हमेशा गुठली को नसीहतें देती हैं और गुठली शायद ही यह पसंद करती है।	बुआ	:	"ऐसा मत करो, ऐसे पट-पट मत बोलो, ऐसे धम-धम मत चलो"….
	गूठली	:	क्यों?
	बुआ	:	"अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर"?
	गुठली	:	"अपना घर? यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई"।
	बुआ	:	अरी बेवकुफ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की आमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है। कुछ समझी?"

आकलन बिंदु

पटकथा में

दृश्यों का वर्णन

स्थान और समय का विवरण

पात्रों की उम्र, वेशबूषा, चाल चलन, आदि का विवरण

स्वाभाविक और पात्रानुकूल संवाद

चर्चा

पटकथा की विशेषताएँ क्या-क्या हैं। पटकथा में दृश्य का वर्णन किया है ? समय का जिक्र है ? पात्रों का उल्लेख है? संवाद की विशेषताएँ क्या हैं?

7. "अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी। पर अब तेरे फुफाजी का घर ही मेरा घर है। कुछ समझी?"

'अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है' बुआ ऐसे क्यों कहती हैं? लड़की को पराया अमानत क्यों माना जाता है। क्या आप इससे सहमत हैं? क्यों?

- **ये वाक्य किस की ओर इशारा करते हैं? इस पर आपकी राय क्या है?**

  ऐसा कहना उचित नही है। क्योंकि हमारे संविधान में लड़का और लड़की का समान अधिकार और अवसर है। ऐसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध हमें आवाज़ उठानी है।

- **बुआजी गुठली को क्या समझाती है?**

  (अपनी अमानत,किसी और की अमानत, इस घर की आमानत)

8. 'इससे'- इसमें निहित सर्वनाम कौन- सा है?

(वह, वे, यह, ये)

9. नीचे दिये आश्यवाला वाक्य चुन लिजिए

पति का घर गुठली का घर है।

गुठली किसी और का धन है

नीचे दिए गए पाठ का अंश पढ़कर प्रश्नों का उत्तर लिखें।

- *'देखिए भइया **मेरा** नाम कार्ड में छपवाना भूल गया?' ताऊजी बोले,*

  'भूला नहीं है रे...अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।'

ताऊ जी के इस कथन पर आपकी राय क्या है?

यह कभी भी उचित नहीं है। लड़का और लड़की के समान अधिकार है, अवसर है।

- **अगर गुठली की जगह आप होते तो क्या करते?**

  अगर मैं होता तो ज़रूर इसके विरुद्ध आवाज़ उठाता। समझाऊँगा कि हमारे संविधान में लड़का और लड़की के समान अधिकार है, अवसर है आदि....।

- **ये वाक्य किसकी ओर इशारा करते हैं?**

  सामाजिक असमानता की ओर

- **माँ ने गुठली को मानने केलिए यहाँ क्या किया?**

  माँ ने शादी के कार्ड पर गुठली का नाम लिख दिया।

- **गुठली का नाम कार्ड पर क्यों नहीं छपा ? क्या आप इस सामाजिक व्यवस्था से सहमत हैं? क्यों?**

  उनके अनुसार गुठली पराये घर की अमानत है। कार्ड पर केवल अपने घरवालों का नाम छपवाता है। इसलिए गुठली का नाम कार्ड पर नहीं छपवाया।

  इस सामाजिक व्यवस्था से मैं समहत नहीं हूँ। क्योंकि हमारे संविधान में लड़का और लड़की के समान अधिकार और अवसर है। ऐसा भेदभाव करना दंडनीय है।

- **लड़का और लड़की के बीच में भेदभाव है, 'गुठली तो पराई है' - के आधार पर एक टिपणी लिखें।**

  गुठली के घर में उसको स्वतंत्र रूप से चलना, बात करना,आदि की स्वतंत्रता नहीं हैं। बुआ आदि के अनुसार वह पराये घर की अमानत है। दीदी की शादी के कार्ड पर गुठली को छोड़कर बाकी सबका नाम है। भइया के छोटे-से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता। लड़की होने के कारण घर में उसका कोई अधिकार नहीं है। उसे अपने परिवार या समाज में भेदभाव का शिकार होना पड़ता है।

उस दिन रात को गुठली सो नहीं सकती। वह अपनी दौनिकी लिखने लगी। उसकी दैनिकी कैसी होगी ?

गुठली की दैनिकी/डायरी

08-12-2016

गुरुवार

आज भी रोज़ की तरह मेरा अपमान किया। शादी के कार्ड पर केवल मेरा नाम नहीं छपवाया। भइये के छोटे से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा....। क्या लड़की के रूप में पैदा होना बुरी बात है? क्या लड़कों केलिए हमारे संविधान में अलग नियम है? लड़की होने के नाते बूआजी का बार-बार याद कराता...। बुआजी के अनुसार लड़कियों का कोई हक नहीं। लड़का और लड़की के समान अधिकार है। अवसर है। मैं किसी और की अमानत...। नहीं..मैं यह नहीं स्वीकारूँगी। इस रुढीवाद के खिलाफ़ मैं जरूर आवाज़ उठाऊँगी.. कल से होकर मैं सभी को सबक सिखाऊँगी।

गुठली की दैनिकी / डायरी

08-12-2016

गुरुवार

आज का दिन मैं कैसे भूलूँगी? शादी के कार्ड पर केवल मेरा नाम नहीं। भइये के छोटे से बेटे का भी नाम है। मैं एक लड़की हूँ। इसलिए मेरा नाम नहीं। लड़की का कोई अधिकार नहीं है। लड़की का कोई अवसर नहीं है। लड़की पराये घर की अमानत है। बुआ यों कहती है। मेरे साथ कोई भी नहीं है।

डायरी

- **एक डायरी की शुरुआत कैसे होती है?**
- **समय व काल की सूचना है?**
- **कैसे शुरु होती है?**

  उदा:- आज का दिन मैं भूल नहीं सकता/सकती। आज का दिन मैं कैसे भूलूँ?
- **भाषा कैसी होनी है?**

  आत्मनिष्ठ, विस्मयादी बोधक का चिह्न, वाक्यांश या वाक्य का प्रयोग..आदि
- **घटनाओं का वर्णन कैसे करना है?**

  भावात्मक रूप से, आत्मानिष्ठ शैली में, अपने दृष्टिकोण की आभिव्यक्ति

आकलन बिंदु

- समय व काल की सूचना
- स्वाभाविक भाषा का प्रयोग
- भावात्मक प्रस्तुति
- अनौपचारिक भाषा का प्रयोग
- आत्मनिष्ठ शैली

दैनिक/डायरी के कुछ आरंभिक वाक्य

- आज का दिन मैं भूल नहीं सकता/सकती।
- आज का दिन मैं कैसे भूलूँ?
- ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि आज का सा दिन आगे न आए।
- आज किसका मुँह देखकर मैं जाग उठा/उठी।
- आज मेरे लिए एक अभिशप्त दिन था।
- आज मेरे स्वप्न का साकार हुआ।
- हे भगवान, तू मुझे इतनी यातनाएँ क्यों दे रहा है ?
- ऐसी क्रूरता मैं कैसे सहूँ?

- सब कुछ सहने की शक्ती केलिए ही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।
- मन करता है कि कहीं उड़कर पहुँच जाऊँ।
- आज भी रोज़ की तरह मेरा अपमान किया।
- मेरा भविष्य आज से भी अधिक डरावना होगा।
- वर्षों की इच्छा आज पूरी हुई।
- किसी तरह आज का दिन बीता।
- कितनी ही लंबी होती है आज की रात।
- यह बात मैं सात जन्म नहीं भूलूँगी/भूलूँगा।
- पिछले कुछ समय से लग रहा था कि नियमित रूप से दैनिकी/डायरी लिखनी चाहिए।
- दिन भर में छोटी बड़ी ऐसी अनेक घटनाएँ हैं।
- मैं अपने आप से पूछ रहा हूँ कि मैं क्यों जी रहा हूँ।

मेरा -इसमें निहित सर्वनाम कौन-सा है?

(तू, तुम, मैं, हम)

इसी प्रकार नीचे दिए शब्दों के सर्वनाम और प्रत्यय को अलग करके लिखें ।

मेरे
मेरी
तेरा
तेरे
उसने
इसने
उसका
उसके
उसकी
उनका
उनके
उनकी
उनसे
उसे
इसे
मुझसे
इन्हें
उन्हें

गुठली अपने मन की सारी बातें सहेली को बताना चाहती है। लिखें सहेली के नाम गुठली का पत्र।

स्थान.....

तारीख.....

प्रिय दोस्त/ नाम

कई दिनों से मैं चुप थी। कई दिनों के बाद आज मैं यह खत लिख रही हूँ। अब मुझे लगा कि यहाँ कि सारी बातें तुमसे बतानी हैं। अतः मैं यह खत लिख रही हूँ । लगता है कि तुम खुश हो। अपनी बात मैं आगे बता रही हूँ।

जैसा कि तुम जानती हो कि मेरे अपने घर में कोई अधिकार और अवसर नहीं है। बुआजी हमेशा उपदेश देती हैं-'ऐसा मत करो', 'एसे पट-पट मत बोलो', 'ऐसे धम-धम मत चलो' आदि। उनके अनुसार यह घर मेरे लिए पराया है। लड़कियाँ किसी और की अमानत है। दीदी की शादी के कार्ड पर केवल मेरा नाम नहीं है। लेकिन भइया के छोटे से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता। मैं समझी भूल गये होंगे। पूछने पर कहा -"भूला नहीं है रे...अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।"

हमारे देश के संविधान में चाहे लड़का हो या लड़की समान अधिकार और अवसर दिया है। फिर भी समाज में ऐसा भेदभाव है। इसके विरुद्ध आवाज़ उठानी है। मैं ने फैसला किया है कि इसके विरुद्ध आवाज़ उठाऊँ। सच्चे नागरिक का कर्तव्य यह है कि वह इन सामाजिक असमानताओं के खिलाफ़ आवाज़ उठाए और एक समाज की स्थापना में भागीदार बने।

मैं बहुत कुछ लिखना चाहती हूँ। लेकिन मेरे पास समय नहीं। अगले पत्र में मैं विस्तृत रूप से लिखूँ। दोस्तों और रिश्तेदारों से मेरा प्यार कहना।

जवाब की प्रतीक्षा में।

तुम्हारा दोस्त

गुठली

सेवा में

नाम.....

.....(घर)

.....(पोस्ट)

पिन.....।

स्थान.....

18-12-2-16

प्रिय दोस्त

तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर बड़ी खुशी हुई। मैं यहाँ ठीक हूँ। विश्वास है कि तुम भी ठीक हो।

घर में मेरा कोई अधिकार नहीं है। घर में मेरा कोई अवसर नहीं है। यह घर मेरेलिए पराया है। दीदी की शादी के कार्ड पर केवल मेरा नाम नहीं है। भइया के छोटे से बेटे का भी नाम है। इसपर मुझे बहुत दुःख है।

मैं बहुत कुछ लिखना चाहती हूँ। लेकिन अब मेरे पास समय नहीं. अगले पत्र में मैं सब कुछ लिखूँ। दोस्तों और शिश्तेदारों से मेरा प्यार कहना।

जवाब की प्रतीक्षा में।

तुम्हारा दोस्त

गुठली

सेवा में

नाम.....

.....(घर)

.....(पोस्ट)

पिन.....।

पत्र के मुल्यबिंदु

स्थान

दिनांक

संबोधन (आदरणीय, पूजनीय, श्रीमान)

विषय और उसका विस्तार, समापन

समापन श्ब्दावली (आज्ञाकारी, विश्वास पात्र, शुभ चिंतक)

पत्र मिलनेवाले का पता (सेवा में)

पत्र भेजनेवाले (प्रेषक) का नाम (ज़रूरत नहीं)

- **बुआ और गुठली के बीच का संभावित वार्तालाप लिखें**
  (देखें पटकथा का वार्तालाप)
- **ताऊजी और गुठली के बीच का वार्तालाप लिखें।**
- **शादी के बाद दीदी में क्या-क्या बदलाव आ गया? क्यों?**

शादी के बाद मस्तीखोर और बातूनी नहीं है। अब साड़ी पहनकर सिमटी-सिमटी रहने लगी है। 'नकटू' कहकर बुलानेवाले भाई को भइया कहती है।

- **क्या शादी के बाद भैया में बदलाव आ गया? क्यों?**

  नहीं। वह पहले जैसे है। दोस्तों के साथ अब भी क्रिकट खेलता है। खाना ज्यादा खाता है। क्योंकि वह पुरुष है। यह तो सामाजिक असमानता है।

गठली सामाजिक आसमानता के विरुद्ध आवाज़ उठानेवाली है । इसका प्रमाण क्या है ? इसपर एक टिप्पणी लिखें।

लड़का और लड़की का भेदभाव एक सामाजिक असामनता है।
(लड़कियों के अधिकार का उल्लंघन दंडनीय है।)

सामाजिक असमानता के खिलाफ़ गुठली अपने ढंग से आवाज़ उठाती है। समाज में स्त्री और पुरुष को समान अधिकार है। फिर भी लड़की के प्रति भेदभाव दिखानेवाले आज भी हैं। गुठली तो पराई है कि गुठली ऐसी एक पात्र है। बुआ की नसीहत को गुठली प्रश्न करती है। दीदी की शादी के कार्ड पर उसका नाम नहीं थी। इसका भी प्रश्न करती है। इसलिए माँ को कार्ड पर गुठली का नाम लिखना पड़ता है। पौधों को पानी नहीं पिलाने के कारण पिताजी के पूछने पर भैया से करवाने को कहती है। ताऊजी को चाय देने को कहते समय ऐसा प्रतिक्रिया करती है कि मैं एक मेहमान हूँ और मेहमान से काम करवाना अच्छी बात नहीं है। नानु को खाना नहीं देने के कारण भाई के पूछने पर वह स्पष्ट उत्तर देती है। भैये से, कुल दीपक होने के कारण घर का सारा काम करने और देखभाल करने को कहती है। यों गुठली सामाजिक असमानता के विरुद्ध आवाज़ उठाती है।

आकलन बिंदु

- विषय का उचित विश्लेषण
- भूमिका, विस्तार और उपसंहार का पालन
- विषयानुकूल शीर्षक
- उचित भाषा प्रयोग

- बडी बुआ गुठली को अच्छी लगती पर उनसे बात करना उसे कुछ खास पसंद नहीं. क्यों?
  बुआ ओर हमेशा नसीहतें देती है। इसलिए उनसे बात करना उसे कुछ खास पसंद नहीं है।

'लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो।' - गुठली को क्यों ऐसा लगा।

गुठली को लगा कि उसके घर, आम की कैरियाँ, कुत्ता, नानु, बगीचे में उसकी बनाई क्यारियाँ,मछलियों केलिए तालाब.. आदि उसके नहीं। इसके अतिरिक्त माँ का यों कहना. "बेटा बुआ की बात का बुरा मत मान। और जो कल होना है उसे लेकर आज क्यों परेशान होना। ये दिन फिर लौट के नहीं आनेवाले हैं, इन्हें जी भर के जी ले।" ये सारी बातें सोचकर उसको लगा कि उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो।'

मिलान करें

यही तो है मेरा घर	पर अक्ल नहीं आई छोरी को।
चौदह की हो गई	यह सब आपका ही है।
आप कुल दीपक हो	वहाँ मैं पैदा हुई।

सही मिलान करें

गुठली	सिमटी हुई चुहिया
भाई साहब	पराई अमानत
दीदी	कुल दीपक

इकाई का आशय

भारतीय संविधान सभी नागरिकों केलिए कुछ बुनियादी अधिकार देता है। हमारा संविधान बच्चों तथा महिलाओं को वे सभी हक देता है। फिर भी हम देखते है, कभी-कभी बच्चों और महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। कुछ बच्चे ही सही खेलना, पढ़ना छोड़कर काम पर जाने केलीए विवश है। यह उनकी सपनों को तोड़ने का कारण बनता है। हमें यह समझना है कि बच्चे देश का भविष्य ही नहीं वर्तमान भी है। हम जानते है कि प्रत्येक समाज में क्यों महिलाओं को दुर्व्यवहार, हिंसा और शोषण का सामना करना पड़ता है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने के बजाय मज़दूरी के काम में लगे हुए हैं। लड़कियों को अपने परिवार या समाज में भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। हम उन्हें अपमानित होने या शोषण के शिकार होने से बचा सकते हैं।

सत्र - ग्यारह अपठित कविता

आप यह अपठित कविता प्रस्तुत करें

हर खुशी है लोगों के जीवन में
एक हँसी केलिए वक्त नहीं।
दिन-रात दौड़ते दुनिया में
ज़िंदगी केलिए वक्त नहीं।
याद है माँ की लोरियाँ लेकिन
माँ को माँ कहने का वक्त नहीं।

छात्र दल में कविता का वाचन करें।

कविता के आधार पर प्रश्न तैयार करने का निर्देश दें।

छात्रों से प्रश्न और उत्तर प्रस्तुत करवाएँ।

आवश्यक है तो आप ये प्रश्न पूछकर आशयग्रहण सुनिश्चित करें।

इस कविता में किस हालत का वर्णन है?

मानव को वक्त नहीं / व्यस्त मानव।

आज के मानव को किन-किन केलिए समय नहीं?

आज के मानव की ज़िंदगी की समस्याएँ क्या-क्या है?

माँ के साथ रहने केलिए मानव को समय नहीं है। यह आशयवाली पंक्तियाँ कौन-कौन है ?

कविता केलिए कौन-कौन सी शीर्षक उचित है?

चर्चा से मिली धारणाओं के आधार पर कविता का आशय लिखने का निर्देश दें।

निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर आकलन कार्य चलाएँ।

	हाँ	नहीं
पंक्तियों का आशय सीधे सरल गद्य में स्पष्ट किया है।	☐	☐
अपने शब्दों में लिखा है।	☐	☐
आशय संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया है।	☐	☐

आप टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।

सत्र - बारह पोस्टर

अधिगम उपलब्धि

पोस्टर तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।

भूमिका

पोस्टर विचार - विनिमय का साधन है। इसकी अपनी खूबियाँ हैं। बच्चों को पोस्टर तैयार करने में सक्षम बनाने केलिए निम्नलिखित गतिविधियाँ अपनाएँ:

पोस्टर मुख्यतः दो प्रकार के हैं, कार्यक्रम संबंधी और संदेश संबंधी।

आप छात्रों को दलों में बिठाएँ, नीचे दिए पोस्टर की प्रतियाँ एक-एक दल को दें, दलों में विचार- विनिमय का अवसर दें।

छात्र पोस्टर का वाचन करें। आप चर्चा चलाएँ:

- **क्या इसमें से यह सूचना मिलती है कि यह किस कार्यक्रम का पोस्टर है?**
- **इस कार्यक्रम में क्या-क्या हो रहे हैं?**
- **क्या इस में कोई संदेश है?**
- **यह कार्यक्रम कहाँ हो रहा है?**
- **क्या इसके दिनांक, समय आदि की स्पष्टता है?**
- **क्या उचित भाषा का प्रयोग किया है?**
- **इसका विन्यास** (Layout) **उचित है?**

चर्चा के उपरांत छात्र किसी कार्यक्रम का पोस्टर खुद तैयार करें। आप मुल्याकंन बिंदुओं के आधार पर स्वः आकलन करवाएँ। अधिक जानकारी केलिए विभिन्न प्रकार के पोस्टर दिए हैं।

ध्यान दें,
परीक्षा की दृष्टि से पोस्टर में चित्रों की भूमिका नहीं है,
भाषाई दक्षता पर ही बल दिया जाता है।

प्रकृति हमारी माँ,
पशुपक्षी हमारे सहजीवी...
प्रकृति से अलग होकर
मानव का अस्तित्व नहीं...
प्रकृति की रक्षा...
हमारी सुरक्षा...

पेड़ लगाएँ
धर्ती को बचाएँ..
वैश्विक तापन,
पेड़ ही जवाब है...

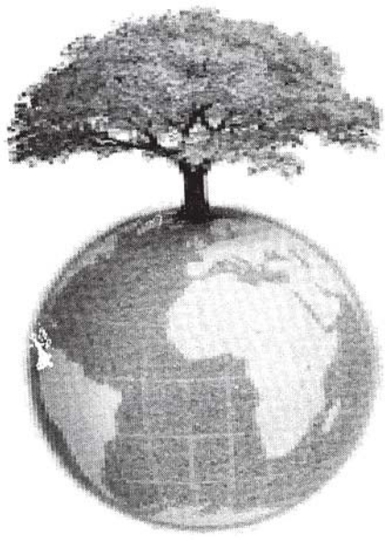

धरती में होगी हरियाली
जीवन में होगी खुश हाली।।
प्रदूषण धरती का खतरा,
पेड़ - पौधे लगाकर दूर करें
खतरा।

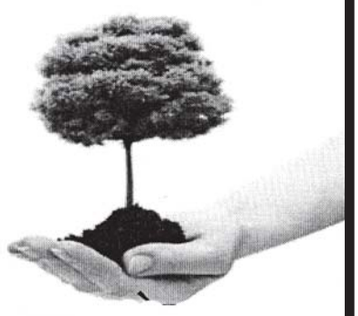

पेड़ लगाएँ,
जलवायू सुरक्षित रखें,
जीवन बचाएँ...

पानी है जीवन की आस,पानी
को बचाने का करो प्रयास ।
पानी की रक्षा है देश की सुरक्षा।
जल है असली सोना।
इसे नहीं है कभी
खोना।

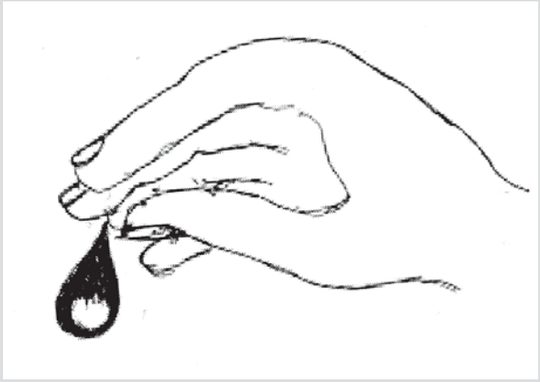

जल है तो कल है....

प्रकृति की करे रक्षा,
पर्यावरण का रखे ध्यान,
तभी बनेगा देश महान।।

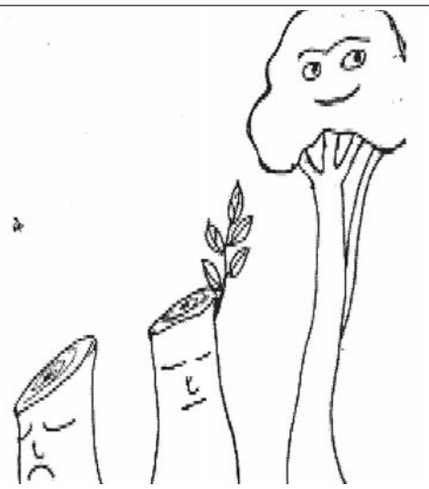

प्रकृति जीवन का आधार
पेड़ के बिना जीवन निराधार
पेड़-पौधे मत करो नष्ट
साँस लेने में होगा कष्ट...

लड़की पराई नहीं, अपनी ही है..

लड़की-लड़का भेदभाव
सामाजिक विपत्ति !

लड़की बचाओ,
देश का महत्व बढ़ाओ ।

सड़क सुरक्षा सप्ताह
जनवरी 1 से 7 तक

"दुर्घटना आँसु लाती है, सुरक्षा खुशी देती है"

नशे की हालत में गाड़ी न चलाएँ,
अधिक तेज़ गति से वाहन न चलाएँ,
सभी सड़क के नियमों का पालन करें।

"सड़क की सुरक्षा प्राणों की सुरक्षा"

युद्ध, मानवता का विनाश...

हथियार छोंड़ें,
शांति अपनाएँ,
मानव बनें..

सत्र - तेरह प्रश्नपत्र का परिचय

सूचनाः कविता पढें और 1 से 3 तक के प्रशनों के उत्तर लिखें।

बार बार आती है मुझको
मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया तू जीवन की
सबसे मस्त खुशी मेरी।
चिंतारहित खेलना खाना
वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है
बचपन का अतुलित आनंद।

1. इस कविताँश केलिए उचित शीर्षक दें। (1)
2. यह आशयवाली दो पंक्तियाँ कविताँश से चुनकर लिखें।

   'ज़िंदगी की सारी खुशियाँ बचपन ले जाती है'। (2)
3. इस कवितांश का आशय लिखें। (3)

सूचनाः 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पदें और 4 से 6 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

'गुठली रोने लगी, तो बुआ ने डाँटा, क्या शादी के घर में मनहूसियत फैला रही हैं। तभी माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड पे लिख दिया। ये अक्षर छपाई जैसे नहीं थे, फिर भी गुठली माँ के प्यार से मान गयी'।

4. 'माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड पे लिख दिया।' वाक्य के 'उस' में निहित सर्वनाम कौन सा है?

   (यह, वह, ये, वे) (1)
5. माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड पे लिख दिया। क्यों? (2)
6. गुठली अपने मन की बातें सहेली को बताना चाहती है। लिखें सहेली के नाम गुठली का पत्र। (4)

सूचनाः 'बच्चे काम पर जा रहे हैं'। कविता का यह अंश पढें और 7 से 9 के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग - बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे
खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढँह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

7. यहाँ किस सामाजिक समस्या के बारे में बतायी गयी हैं? (1)
(भेदभाव, बालश्रम, बेकारी)

8. कविताँश के आधार पर सही मिलान करें। (3)

मदरसों की इमारतें	दीमकों ने खा लिया है
सारी गेंदें	भूकंप में ढ़ह गई हैं
रंग बिरंगी किताबों को	अंतरिक्ष में गिर गई हैं।

9. खिलौनों और रंग बिरंगी किताबों की दुनिया कुछ बच्चों के ही नसीब में है। कविताँश के आधार पर टिप्पणी लिखें। (3)

सूचनाः बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और 10-12 तक के प्रशनों के उत्तर लिखें।

दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी। कोई 'सुल्ताना डाकु' तो कोई कुछ और कहकर चिढ़ा रहा था। 'ये क्या हो गया बेला,' साहिल परेशान होते हुए पूछा। 'छत से गिर गई' बेला ने हँसते हुए कहा और कहा,

"बहुत दिन हो गए, आज खेल घंटी में, गांधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलेंगे।"

"नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो...."? "नहीं लगेगी" बेला ने ज़िद की।

10. उचित परसर्ग का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।
(का, के,की) (1)

बेला..... सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी।

11. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें (2)

बेला का नाम सुल्ताना डाकू था।

बेला छत से गिर गई।

बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी।

12. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर एक दृश्य की पटकथा तैयार करें। (4)

सूचनाः 'ऊँट बना रेलगाड़ी' संस्मरण का यह अंश पढें और 13, 14 प्रश्नों के उत्तर लिखें।

रेलगाड़ी ने चलना शुरु किया। जब वह पहूँचने ही वाली थी ऊँटों के दल को इशारा कर दिया गया। जीप को धकेलने केलिए सब लोग कतार में खड़े थे। आचानक सबके पसीने छूट गए।

13. 'अचानक सबके पसीने छुट गए' । क्यों? (2)

14. शूटिंग के अनुभवों के बारे में सत्यजीतराय के उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें। (4)

सूचनाः ठाकूर का कुआँ कहानी का यह अंश पढें और 15 से 17 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> गंगी झुकी कि घड़े को पकड़कर जगत पर रखे कि एकाएक ठाकूर साहब का दरवाज़ा खुल गया। शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा। गंगी के हाथ से रस्सी छूट गई, रस्सी के साथ धड़ाम से पानी में गिरा और कई क्षण तक पानी में हिलकोरे की आवाज़ें सुनाई देती रहीं।

15. 'आवाज़' के बदले 'शब्द' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। (1)

पानी में हिलकोर की आवाज़ें सुनाई देती रहीं।

16. 'शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा।' यहाँ ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर के मूँह से क्यों की गई है? (2)

17. 'जाति-प्रथा एक आभिशाप है।' इस आशय पर आधारित एक पोस्टर तैयार करें। (4)

प्रश्नपत्र - 2

सूचना : यह कविता पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

प्यारी-प्यारी जल की बूँदें
बरसातों में खेलें - कूदें।
ऊपर से गिरकर मिट जाए,
सभी बच्चों का दिल बहलाए।
सारे मिल बूँदें बन जाएँ
तब मानव की प्यास बुझाएँ।
पानी को हम चलो बचाएँ,
बिना वजह इसे न बहाएँ।

1. इस कवितांश केलिए उचित शीर्षक दें। (1)

2. यह आशयवाली दो पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें।
'जल का दुरुयोग न करके संरक्षण करें।' (2)

3. इस कवितांश का आशय लिखें। (3)

सूचना :जैसलमेर यात्रावृत्त का यह अंश पढ़ें और 4 से 6 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

एक दुकान के बाहर मैंने देखा,

“थैंक यू लोनली प्लैनेट फॉर मेकिंग अस अनइम्पलाँइड़”। पता चला कि दुनिया भर में चर्चित पर्यटक गाइड लोऩली प्लैनेट में किसीने इस जगह के बारे में कुछ खराब लिखा दिया है। इसलिए विदेशी पर्यटकों का यहाँ आना कम हो गया है।

4. यहाँ किस सामाजिक समस्या के बारे में चर्चा हुई है ? (1)

(बेकारी, प्रदूषण, भ्रष्टाचार)

5. “थैंक यू लोनली प्लैनेट फॉर मेकिंग अस अनइम्पलांइड व्यवसाइयों की इस प्रतिक्रिया पर आपका विचार क्या है? (2)

6. इस खंड के आधार पर लेखक और व्यवसायी के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें। (4)

सूचना: ‘टूटा पहिया ‘कविता का यह अंश पढें और 7 से 9 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें‘।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी

बड़े-बड़े महारथी

अकेली निहत्थी आवाज़ को

अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

तब मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया

उसके हाथों में

ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ।

7. कौन ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता है? (1)

(महारथी, टूटा पहिया, रथ)

8. कवितांश के आधार पर सही मिलान करें। (3)

टूटा हुआ	महारथी
निहत्थी	पहिया
असत्य पक्ष	आवाज़

9. 'टूटा पहिया उपेक्षित सामान्य मनुष्य का प्रतीक है।' कवितांश के आधार पर टिप्पणी लिखें। (3)

सूचना: 'सबसे बड़ा शो मैन' जीवनी के आधार पर 10 से 12 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> 'गाते-गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई। लोगों को लगा कि माइक में कुछ खराबी आ गई है। पर फुसफुसाहट ज़ारी थी। लोग चिल्लाने लगे। कहीं से कुछ लोग म्याऊँ - म्याऊँ की आवाज़ निकालने लगे। इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया'।

10. रेखांकित शब्द के बदले 'माँ' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। लोग चिल्लाने लगे। (1)

11. माँ को स्टेज से क्यों हटना पड़ा? (2)

12. माँ गा नहीं पाई। उस समय की माँ की हालत कैसी होगी। इसे एक डायरी के रूप में लिखें। (4)

सूचना: 'बसंत मेरे गाँव का' लेख के आधार पर 13 से 15 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> 'फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है। अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है। इस आयोजन में बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं। उत्तराखंड़ के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है'।

13. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। (1)

फूलदेई के आयोजन में बड़ों की भुमिका केवल सलाह देना है।

फूलदेई के सारे काम बड़े लोग करते हैं।

फूलदेई बड़ों का महान त्योहार है।

14. 'इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है।' यहाँ उत्तराखंड के निवासियों का कौन सा मनोभाव प्रकट होता है? (2)

15. 'फूलदेई का त्योहार मनाया गया'। इस विषय पर रपट तैयार करें। (4)

सूचना: 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था।' टिप्पणी के आधार पर 16 से 18 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर
क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते?
वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति
मूसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है।
यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह
'जानने' की याद दिलाती है।

16. 'उसे हम नहीं जानते वाक्य के 'उसे,' में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (1)

(यह, वह,ये,वे)

17. रेखांकित शब्द के स्थान पर 'मालूम' शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। (1)

हम नहीं *जानते* हैं।

18. 'सड़क पर कभी -कभी लोग घायल पड़ते हैं'। (4)

'सड़क सुरक्षा' से संबंधित एक पोस्टर तैयार करें।

प्रश्नपत्र - 3

सूचना: कविता पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

ऊपर नील वितान है
पर न प्यार हो तो जग सूना
जलता रेगिस्तान है।
अभी प्यार का जल देना है
हर प्यासी चट्टान को
धरती बांटी, सागर बांटा
मत बांटो इंसान को।

1. इस कवितांश केलिए उचित शीर्षक दें । (1)
2. यह आश्यवाली दो पंक्तियाँ कविता से चुनकर लिखें । (2)

'प्रेम नहीं है तो दुनिया मरुस्थल जैसा शून्य बन जाएगा।'

3. इस कविताँश का आशय लिखें। (3)

रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन- देन भी होता रहता है। वे जानवरों के साथ-साथ कीड़ाजड़ी, करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जड़ी व औषधियाँ भी बेचते हैं। इन गाँवों से इनका सदियों का रिश्ता है, इसीलिए उसी वक्त पूरी की मत चुकाना ज़रूरी नहीं होता। बर्फीले मौसम में निचले इलाकों की ओर जाते वक्त पुरानी वसूली की जाती है। मज़े की बात कि नकद -उधार के आंकड़े कहीं दर्ज़ नहीं होते। आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ ये लेन -देन चल रहा है।

4. "गाँवों से इनका सदियों का रिश्ता है"। वाक्य के 'इनका' में निहित सर्वनाम कौन सा है? (1)

(यह, वह, ये,वे)

5. रेखांकित शब्द के स्थान पर 'वह' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। (1)

वे औषधियाँ भी बेचते हैं।

6. "आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से ये लेन - देन चल रहा है।' प्रसंग के आधार पर हिमालय अंचल की संस्कृती पर लेख लिखें। (4)

सूचना : 'अकाल और उसके बाद' कविता का यह अंश पढें और 7 से 9 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कई दिनों तक चुल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुत्तिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों के भी हालत रही शिकस्त

7. दीवारों पर छिपकलियाँ गश्त कर रही थीं। इसका क्या कारण होगा? (2)
8. कवितांश के आधार पर सही मिलान करें। (3)

चूहों की हालत	रोया।
चक्की	शिकस्त रही।
चूल्हा	उदास रही।

9. कवि ने अकाल का चित्रण किस प्रकार किया है ? कवितांश के आधार पर लिखें। (3)

सूचना : 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढें और 10 से 13 तक प्रश्नों के उत्तर लिखें।

साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था और बेला साहिल का। आज आखिरी बारी वे एक- दुसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे।

"तुम्हारी आँख में आँसु क्यों आ रहे हैं बेला?"

"मुझे क्या पता।" बेला ने डबडबाई आँखों से हँसते हुए कहा।

साहिल की आँखें बीरबहूटी की तरह लाल होने लगी थीं और उनमें बारिश की बूँदों सा पानी भर गया था। बेला कहने लगी; 'मैं चिढ़ाऊँ अब तुम्हें?" रोनी सूरत साहिल, रोनी सूरत साहिल"।

10. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। (1)

- आज पहली बारी वे एक दूसरे की कोई चीज़ छूकर देख रहे थे।
- बेला की आँखों से आँसु आ रहे हैं।
- बारिश चल रही थी।

11. 'आज आखिरी बारी वे एक- दुसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे।' क्यों? (2)

12. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर एक दृश्य की पटकथा तैयार करें। (4)

सूचना. 'गुठली तो पराई है।' कहानी का यह अंश पढें और 13 से 15 के तक प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> गुठली को उदास देख गले लगाकर बोलीं, 'बेटा, बुआ की बात का बुरा मत मान। और जो कल होना है उसे लेकर आज क्यूं परेशान होना। ये दिन फिर लौट के नहीं आनेवाले हैं इन्हें जी भर के जी ले।" माँ की बातों से गुठली और भी हताश हो गई। लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो।

13. यहाँ किस सामाजिक समस्या का उल्लेख किया है। (1)

(असमानता, बालश्रम, भ्रष्टाचार)

14. 'लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो।' गुठली को ऐसा क्यों लगता है? (2)

15. माँ और बुआ की बातों से गुठली बहुत उदास थी। उस दिन की गुठली की डायरी कल्पना करके लिखें। (4)

सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं।' कविता का यह अंश पढें और 16-17 प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
> खत्म हो गए हैं एक एक
> तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
> कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
> भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
> कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल

16. 'भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल'- ऐसा क्यों कहा गया है? (2)

17. कई बच्चे अपने बचपन से वंचित हैं। उनकी मदद करना हमारी भी ज़िम्मेदारी है।

बालश्रम के विरुद्ध एक पोस्टर तैयार करें। (4)